UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत
तेज न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-212 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) बुधवार 15 जुलाई 2026 youngbharatE-paper.com

यूपी के सरकारी स्कूलों में आया बदलाव, 'ऑपरेशन कायाकल्प' और 'प्रोजेक्ट अलंकार' ने बदली तस्वीर

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों का इंफ्रास्ट्रक्चर और शैक्षणिक स्तर एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। सरकार ने न सिर्फ स्कूलों की संख्या बढ़ाई है, बल्कि उनकी आंतरिक गुणवत्ता और आधुनिक सुविधाओं को कॉन्वेंट स्कूलों के समकक्ष खड़ा कर दिया है।

बेसिक शिक्षा विभाग में संचालित 'ऑपरेशन कायाकल्प' और माध्यमिक शिक्षा में 'प्रोजेक्ट अलंकार' के संयुक्त प्रयासों से राज्य के विद्यालयों का पूरा परिदृश्य बदल गया है। आज यूपी के सरकारी स्कूल स्मार्ट क्लास, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, समृद्ध पुस्तकालयों और डिजिटल संसाधनों से लैस होकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के नए वैश्विक मानक स्थापित कर रहे हैं। प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर 'ऑपरेशन कायाकल्प' शिक्षा व्यवस्था के लिए गेमचेंजर साबित हुआ है। इसके तहत राज्य के 1.32 लाख परिषदीय विद्यालयों का पूरी तरह नवीनीकरण किया जा चुका है। वर्ष 2017-18 में जहां इन विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं का संतृप्तिकरण महज़ 36 प्रतिशत था, वहीं आज यह आंकड़ा बढ़कर 96.30 प्रतिशत के पार पहुंच गया है। छात्रों के बैठने के लिए 3.42 लाख डेस्क-बेंच की व्यवस्था तेजी से की जा रही है। इसके साथ ही 1.30 लाख से अधिक स्कूलों में व्यवस्थित लाइब्रेरी और हजारों की संख्या में स्मार्ट क्लासरूम शुरू किए जा चुके हैं। बुनियादी शिक्षा को मजबूत करने के लिए 4.50 लाख से अधिक शिक्षकों को एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी) आधारित व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया है, जिससे बच्चों की भाषा और गणित की नींव मजबूत हो रही है। कक्षा 9 से 12वीं तक की शिक्षा को भविष्य-उन्मुख बनाने के लिए 'प्रोजेक्ट अलंकार' के तहत माध्यमिक विद्यालयों का कायाकल्प किया जा रहा है। प्रदेश में संचालित 29,216 माध्यमिक विद्यालयों में से 2,460 राजकीय हाईस्कूल एवं इंटर कॉलेजों को आधुनिकतम सुविधाओं से जोड़ा गया है।

नया इंफ्रास्ट्रक्चर: सरकार ने रिकॉर्ड समय में 41 नए राजकीय इंटर कॉलेज और 215 नए राजकीय हाईस्कूलों का निर्माण कार्य पूरा करा लिया है।

डिजिटल लर्निंग: माध्यमिक छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान देने के लिए स्कूलों में 778 आईसीटी लैब्स और 1,236 स्मार्ट क्लास स्थापित की गई हैं। इसके अलावा 2,383 राजकीय और 590 सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के भवनों और प्रयोगशालाओं का जीर्णोद्धार कराया गया है।

भविष्य की जरूरत: मुख्यमंत्री मॉडल स्कूल और पीएम श्री विद्यालय

राज्य के बच्चों को वैश्विक स्तर की शिक्षा देने के लिए सरकार कई नई मॉडल योजनाओं पर काम कर रही है:

मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय: प्रदेश के सभी 75 जिलों में 150 अत्याधुनिक मॉडल स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं, जिनमें से 141 के लिए भूमि का चयन हो चुका है। इसके साथ ही 75 'मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय' भी विकसित हो रहे हैं।

बालिका शिक्षा को नई उड़ान: सूबे में संचालित 746 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों को चरणबद्ध तरीके से कक्षा 6 से सीधे कक्षा 12 तक उच्चीकृत किया जा रहा है।

पीएम श्री विद्यालय: राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के मानकों के अनुरूप प्रदेश के 1,722 पीएम श्री विद्यालयों (1,565 बेसिक और 157 माध्यमिक) को कौशल विकास और नवाचार आधारित शिक्षण के आदर्श हब के रूप में तैयार किया गया है।

उत्कृष्ट शिक्षा का केंद्र बनाना ही हमारा अंतिम लक्ष्य: महानिदेशक

स्कूल शिक्षा महानिदेशक मोनिका रानी ने इस परिवर्तन पर बात करते हुए कहा कि शिक्षा विभाग का उद्देश्य केवल भवनों को सुधारना नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे को एक ऐसा आधुनिक वातावरण देना है जहाँ वह आत्मविश्वास से सीख सके। ऑपरेशन कायाकल्प और प्रोजेक्ट अलंकार ने सरकारी स्कूलों की पुरानी रूढ़िवादी पहचान को पूरी तरह मिटा दिया है। अब हमारे पास प्रशिक्षित शिक्षक, डिजिटल तकनीक और बेहतरीन बुनियादी ढांचा है, जो यूपी के हर बच्चे को जीवन में आगे बढ़ने के समान अवसर दे रहा है।

आईसीयू में दाखिल पोते के स्वस्थ होने की दादा ने हनुमान जी से मांगी थी दुआ

नहीं बच पाया मासूम, गुस्साए दादा ने तोड़ी हनुमान प्रतिमा, फिर मंदिर में खूब रोया

(यंग भारत न्यूज)

सीधी जिले के अमिलिया थाना क्षेत्र के बलहया गांव में एक माह के मासूम की मौत के बाद गहरे सदमे में आए दादा ने भगवान हनुमान की प्रतिमा खंडित कर दी। घटना से गांव में हड़कंप मच गया।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू करते हुए आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 298 और 299 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, बलहया निवासी 56 वर्षीय रामभुवन द्विवेदी के एक माह के पोते को निमोनिया होने पर 4 जुलाई को सीधी जिला अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। मासूम के जल्द स्वस्थ होने की कामना को लेकर परिवार ने गांव मे पूर्वजों के मंदिर में स्थापित भगवान बजरंगबली से मन्नत मांगी थी। परिवार का संकल्प था कि बच्चा स्वस्थ होने पर मंदिर में पूजा-अर्चना, भंडारा और भजन-कीर्तन कराया जाएगा। इलाज के दौरान सोमवार रात करीब 8 बजे मासूम की मौत हो गई। देर रात उसका शव घर लाया गया। पोते की मौत की खबर मिलते ही दादा रामभुवन द्विवेदी गहरे सदमे में आ गए। मंगलवार सुबह करीब 9 बजे वह मंदिर पहुंचे और वहां स्थापित भगवान हनुमान की प्रतिमा को खंडित कर दिया। इसके बाद वह मंदिर परिसर के पास बैठकर रोने लगे। प्रतिमा टूटने की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में आक्रोश और चिंता का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने तत्काल सिहावल पुलिस चौकी को सूचना दी। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, घटनास्थल का निरीक्षण किया और ग्रामीणों के बयान दर्ज किए। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने पोते की मौत से हुए गहरे मानसिक आघात और भावनात्मक आवेश में यह कदम उठाया। सिहावल चौकी प्रभारी उप निरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला शोक और मानसिक सदमे से जुड़ा प्रतीत होता है। फिलहाल आरोपी रामभुवन द्विवेदी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 298 और 299 के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

यूपी चुनाव में सपा के लिए कितनी जरूरी कांग्रेस, ज्यादा सीट देने पर क्यों 'साइकिल' फंसने का डर

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए सपा जरूरी है या फिर अखिलेश यादव को हाथ का साथ चाहिए. यह सवाल इसलिए अहम है क्योंकि सीट बंटवारे को लेकर खींचतान शुरू हो गई है और सहारनपुर के कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने सपा पर तंज कस दिया है.

नका कहना है कि सपा को ही गठबंधन की ज्यादा जरूरत है. हम यदि उनके साथ थे तो 2024 में उन्हें 37 सीटों पर जीत मिली थी. इस तरह सीट बंटवारे को लेकर रस्साकशी जारी है तो सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा में भी जवाब दिया है. उनका कहना है कि कांग्रेस बरगद के पेड़ जैसी है और उसके नीचे कोई दूसरा दल पनप नहीं सकता. सपा विधायक ने कहा, 'बरगद के पेड़ के नीचे जो पेड़ निकलते हैं, वो सब पेड़ सूख जाते हैं। कांग्रेस अगर बरगद का पेड़ है तो इसके नीचे कोई भी दल पनप नहीं सकता है। समाजवादी पार्टी आम का पेड़ है, जो आम के पेड़ के पत्ते भी पूजा के काम आते हैं.' इस तरह सपा ने भी कांग्रेस को जवाब दिया है. पर सवाल वही है कि आखिर किसे कितनी जरूरत है? यह बात सही है कि यूपी में मुस्लिम वोट करीब 150 सीटों पर अहमियत रखता है. इसका एक हिस्सा कांग्रेस के साथ भी जाता रहा है. ऐसे में सपा नहीं चाहेगी कि अलग लड़कर वोटों का बंटवारा किया जाए. वह भी ऐसा वोट जो सपा को परंपरागत रूप से वोट करता रहा है. यही कारण है कि भले ही यूपी में सपा की ताकत ज्यादा है, लेकिन कांग्रेस को साथ लेकर उसे 1 और 1 मिलकर 11 होने की उम्मीद रहती है. अब सवाल है कि जब कांग्रेस की इतनी अहमियत है तो फिर सपा उसे ज्यादा सीट क्यों नहीं देना चाहती. इसकी वजह 2017 के विधानसभा चुनाव के आंकड़े भी हैं. सपा ने कांग्रेस को 100 सीटें लड़ने के लिए दी थीं, लेकिन उसे 6 पर ही जीत मिली थी. कांग्रेस को लेकर यूपी में यह राय है कि वह भाजपा के साथ सीधे मुकाबले में नहीं जीत सकती. ऐसी स्थिति में सपा उसे ज्यादा सीटें नहीं देना चाहती. वहीं कांग्रेस के हौसले 2024 में 6 लोकसभा सीटों पर जीत से बढ़ गए हैं. इसके अलावा पश्चिम यूपी की मुस्लिम बेल्ट में अपनी पकड़ का भी हवाला दे रही है. उसे लगता है कि सहारनपुर, गाजियाबाद, मेरठ जैसे शहरों में सपा के साथ गठबंधन में वह मजबूत होगी. इसके अलावा रायबरेली, प्रतापगढ़ समेत अवध के भी कई जिलों में फायदा मिलेगा. वहीं सपा को भी लगता है कि मुस्लिम वोट बैंक पर उसका हक है. इस तरह यह लड़ाई मुस्लिम वोट बैंक को लेकर है तो वहीं सपा की चिंता यह भी है कि आखिर कांग्रेस चुनाव में भाजपा के मुकाबले कितना सफल हो पाएगी. इसके अलावा भविष्य की राजनीति के लिहाज से भी सपा यह नहीं चाहेगी कि कांग्रेस इतनी मजबूत हो कि सरकार बनने की स्थिति में उससे ज्यादा मोलभाव कर सके.

'सपा को वोट नहीं दिया तो फूँके 35 दलितों के घर, 2 बच्चों को जिंदा जलाया'

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। योगी सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सपा राज में दलितों-पिछड़ों पर हुए अत्याचार की याद दिलाते हुए सोशल मीडिया पर 'सपा का आतंकराज' सीरीज शुरू किया है।

उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के राज में हुए दलितों पर अत्याचार को लेकर अखिलेश यादव के खिलाफ नया राजनीतिक अभियान छेड़ दिया है। राजभर ने सोशल मीडिया पर 'सपा का आतंकराज - पार्ट 1' शीर्षक से एक पोस्ट साझा करते हुए दावा किया कि समाजवादी पार्टी की सरकार में दलितों और पिछड़ों पर बड़े पैमाने पर अत्याचार हुए थे। उन्होंने कहा कि अब वह रोज एक जिले की ऐसी घटनाओं को सामने लाकर अखिलेश यादव से जवाब माँगेंगे।

राजभर के मुताबिक, वह हर दिन एक जिले से जुड़ी ऐसी घटनाओं को याद दिलाएँगे, जिन्हें वह सपा सरकार के आतंकराज की मिसाल मानते हैं। बुलंदशहर की घटना के बाद उन्होंने सीतापुर में 2012, 2015 और 2016 में हुई घटनाओं का जिक्र किया है। अपने पोस्ट में राजभर ने अखिलेश यादव को संबोधित करते हुए लिखा है कि 6 मार्च 2012 को विधानसभा चुनाव का जनादेश मिलने के साथ ही सपा कार्यकर्ताओं का आतंक शुरू हो गया था। सरकार बनी भी नहीं थी, सिर्फ जीते थे। फिर भी दलितों-पिछड़ों के खिलाफ नंगा नाच शुरू कर दिया। 2016 में 13 दलितों का घर जला दिया, क्योंकि वोट नहीं दिया सपा को-राजभर राजभर ने आगे लिखा है कि सरकार के औपचारिक गठन से पहले ही 8 मार्च 2016 को सीतापुर जिले के रेवसा क्षेत्र के बिंबिया गाँव में दलितों के 13 घरों में आग लगा दी गई। राजभर के मुताबिक, ऐसा सिर्फ इसलिए किया गया क्योंकि दलितों ने समाजवादी पार्टी को वोट नहीं दिया था। राजभर ने अपने पोस्ट में 21 दिसंबर 2015 की सीतापुर के लहरपुर थाना क्षेत्र के पट्टी देहलिया गाँव की घटना का जिक्र करते हुए कहते हैं कि उस वक्त दलित बस्ती के 35 घरों को आग के हवाले कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान के चुनाव में सपा समर्थित प्रत्याशी को वोट न देने पर ये आगजनी की गई।

राजभर ने दावा किया कि इस आगजनी में दो मासूम बच्चे जिंदा जल गए, जिससे उनकी मौत हो गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उस समय सपा का प्रधान खुद आग लगाने में शामिल था और पीड़ित परिवारों की गुहार के बावजूद किसी ने उनकी मदद नहीं की। उन्होंने लिखा, 'वे गिड़गिड़ाते रहे, बच्चे जिंदा जल गए और बस्ती खाक हो गई।' राजभर ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में वोट न देने की कीमत दलितों और अति पिछड़े वर्ग को चुकानी पड़ती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव जीतने के बाद सपा कार्यकर्ताओं का मनोबल इतना बढ़ जाता था कि वे खुलेआम अत्याचार करते थे, जबकि सरकार और पूरा प्रशासन मूकदर्शक बना रहता था। दरअसल आपका राज मुगलिया बर्बरता की याद दिलाती है। उन्होंने लिखा है कि दलितों को आत्मा काँप उठती थी..जब वोट नहीं देने पर 'सजा' के तौर पर सपाई बर्बरता सामने आती थी। पोस्ट के आखिर में राजभर ने सीधे अखिलेश यादव को संबोधित करते हुए लिखा कि सपा सरकार के उस आतंकराज को याद कर आज भी प्रदेश की जनता सिहर उठती है। उन्होंने कहा कि यह तो सिर्फ शुरुआत है और आने वाले दिनों में वह एक-एक जिले की ऐसी घटनाओं को सामने लाकर अखिलेश यादव से उनका हिसाब माँगेंगे।

सरकार के दावे खोखले-समाज के निचले तबके को नही मिल रहा सरकारी योजनाओं का लाभ

दलालो के दम पर जिले में संचालित है कल्याणकारी योजनायें, दीनहीन95 वर्षीय वृहदा के पास नही है कोई दलाल

- 95 वर्षीय वृहधा बैठी है कब्र में पैर लटकाए
- किसी भी कल्याणकारी योजना का उसको नही मिल पाया लाभ
- शरीर से कर नही सकती भाग दौड़
- इसी का खामियाजा भुगत रही है वृह्द महिला
- जिलाधिकारी को खबर का स्वता संज्ञान लेकर पहुंचाना चाहिए लाचार महिला को सरकारी योजनाओं की मदद

(प्रधान सम्पादक)
(यंग भारत न्यूज़)

माधौगण जालौन। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जो सरकारी योजनाओं के दावों पर गंभीर सवाल खड़े करती है। माधौगढ़ तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत कासिमपुर में 95 वर्षीय बुजुर्ग महिला आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित जीवन जीने को मजबूर है। सरकारी योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है, लेकिन कासिमपुर की यह तस्वीर बताती है कि अभी भी कई जरूरतमंद लोग योजनाओं से दूर हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस बुजुर्ग महिला की सुध कब लेता है।

जालौन जिले की माधौगढ़ तहसील क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत कासिमपुर में 95 वर्षीय बुजुर्ग महिला आज भी सरकारी योजनाओं का लाभ पाने से वंचित है। उम्र के इस अंतिम पड़ाव में भी वह बेहद कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रही है। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग महिला के पास न तो रहने के लिए पक्का घर है और न ही शौचालय की सुविधा उपलब्ध है। वह गैलरी में ही अपना भोजन बनाती है और उसी स्थान पर रात गुजारने को मजबूर है। इतना ही नहीं, उसके घर में बिजली की सुविधा भी नहीं है। पेयजल के लिए उसे दूर-दराज से पानी लाना पड़ता है। उम्र अधिक होने के बावजूद वह अपने दैनिक कार्य स्वयं करने को विवश है। एक ओर सरकार गरीबों, निराश्रितों और बुजुर्गों के लिए आवास, शौचालय,तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं के संचालन का दावा करती है, वहीं कासिमपुर की यह तस्वीर उन दावों की जमीनी हकीकत बयां करती नजर आती है। मंगलवार दोपहर लगभग 2 बजकर 50 मिनट पर यह स्थिति देखी गई, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने भी बुजुर्ग महिला को तत्काल सरकारी सहायता दिलाने की मांग की।अब बड़ा सवाल यह है कि क्या संबंधित विभाग और स्थानीय प्रशासन इस 95 वर्षीय बुजुर्ग महिला तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाएगा, या फिर वह इसी तरह अभावों के बीच जीवन बिताने को मजबूर रहेगी।

फिलहाल इस मामले में संबंधित अधिकारियों की प्रतिक्रिया का इंतजार है। यदि प्रशासन संज्ञान लेता है तो इस बुजुर्ग महिला को आवास, शौचालय, बिजली और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकता है।

श्री भगवान जगन्नाथ दीर्घा का हुआ शुभारम्भ

(यंग भारत न्यूज)

उरई। उड़ीसा प्रदेश के श्री जगन्नाथ धाम में होने वाली परम पुनीत रथ यात्रा महोत्सव के उपलक्ष्य में इन्टैक उरई अध्याय के द्वारा चूड़ी वाली गली स्थित श्रीमती संध्या पुरवार के निज निवास पर भगवान श्री जगन्नाथ जी की एक दीर्घा लगाई गई जिसका शुभारंभ श्री गणेश जी की प्रतिमा के समक्ष शंख ध्वनि के मध्य जालौन भाजपा कार्यकारिणी की की उपाध्यक्षा सुश्री रेखा वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया ।

दीर्घा अवलोकन के समय सुश्री रेखा वर्मा ने कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ जी से संबंधित जानकारी जो इस दीघा के माध्यम से प्रस्तुत की गई वह अत्यंत रोचक एवं ज्ञानपूर्ण है ।दीर्घा अवलोकन से ऐसा लगता है कि मानो हम स्वयं ही श्री जगन्नाथ धाम में आ गए हों ।जय जय श्री जगन्नाथ। दीर्घा के संयोजक डॉक्टर हरीमोहन पुरवार ने बतलाया कि भगवान श्री जगन्नाथ जी उड़ीसा के साबर कबीले के देव थे। प्राचीन काल में साबर कबीले के नायक विश्ववासु एक नीले रंग की अनगढ पत्थर की मूर्ति की एकांत गुफा में पूजा किया करते थे जिनको नील माधव के नाम से संबोधित किया जाता था । यही नील माधव सबर जनजाति की भाषा में किटुंग या जंगत नाम से लोकप्रिय थे ।लोक कलाविद बैरियर एल्विन के अनुसार यही जंगत शब्द से जगन्नाथ जी नाम पड़ा ।आज भी मंदिर के पुजारी देतापति सबर कबीले के प्रथाओं को अपनाते हुए भगवान श्री जगन्नाथ जी की पूजा आराधना करते हैं ।डॉक्टर पुरवार ने आगे बतलाया कि पहले कबीले देवों की मूर्तियां आमतौर पर काष्ठ (लकड़ी) की अनगढ बनी होती थीं। भगवान श्री जगन्नाथ जी की अपूर्ण मूर्ति शायद इस श्रृंखला की परिचायक है। इस दीर्घा में भारत सरकार के डाक विभाग व स्पेशल मीटिंग एण्ड प्रिन्टिंग कॉरपोरेशन आफ इंडिया द्वारा वर्ष 2015 में जारी 10 तथा 1000 मूल्य के सिक्कों के अपरिचालित सैट के साथ-साथ भगवान श्री जगन्नाथ जी की लगभग डेढ़ सौ वर्ष पुरानी दो पेंटिंग्स आकर्षण का केंद्र रही ।इस दीर्घा में नीम की लकड़ी से बनी भगवान की जगन्नाथ जी ,बहन सुभद्रा जी ,तथा अग्रज भाई बलराम जी की मूर्तियों के साथ-साथ सॉफ्ट टॉयज के रूप में मूर्तियां भी प्रदर्शित की गई। इस दीर्घा में मूल रूप से भगवान श्री जगन्नाथ जी की हड्डी तथा जनेऊ को भी प्रदर्शित किया गया। यह दोनों वस्तुएं अत्यंत प्रभावकारी एवं दुर्लभ हैं । आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से भगवान श्री विष्णु के दशावतार के स्वरूप में बने भगवान की जगन्नाथ जी के चित्र भी आकर्षण का केंद्र रहे ।इस्कॉन संस्था के संस्थापक स्वामी प्रभुपाद जी महाराज तथा श्री जगन्नाथ भगवान जी के अवतारी स्वामी चैतन्य महाप्रभु के अपरिचालित सिक्के भी इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए। भगवान श्री जगन्नाथ जी के कागजी मुखौटों के साथ लगभग 200 प्रकार के विभिन्न फ्रिज स्टिकर्स भी इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए । कार्यक्रम के प्रारंभ में डा0 हरीमोहन पेरवार ने मुख्य अतिथि श्रीमती रेखा वर्मा को अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत किया तथा कार्यक्रम के अंत में श्रीमती संध्या पुरवार ,उषा सिंह निरंजन ,चंचल मिश्रा आदि ने स्मृति चिन्ह भेंट किया । इस दीर्घा में प्रदर्शित समस्त सामग्री श्रीमती संध्या पुरवार एवं डॉ0 हरीमोहन पुरवार के निजी संग्रह से प्रदर्शित की गई ।

दीर्घा अवलोकन में विजय सोनी, राघवेन्द्र सिंह , राम कुमार कनकने, हर्ष राठौर,विकाश आनन्द, ,प्रियंका अग्रवाल,अनीता गुप्ता,आशीष अग्रवाल, दर्शअग्रवाल,किशोरी शरण शांडिल्य, नवनीत श्रीवास्तव, डा0 अभिशेक, सूर्या गुप्ता , हरी बाबू शुक्ला आदि लोगों की विशेष उपस्थिति रही । अंत में श्री विश्व नाथ पुरवार ने सभी आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया।

मजदूर हैमर मशीन से तोड़ रहा था छत, संदिग्ध परिस्थितियों में गिर कर हुई मौत

परिजनों ने लगाया दबाव में काम कराने का आरोप

(यंग भारत न्यूज)

उरई। कदौरा थाना क्षेत्र के कुसमरा गांव निवासी एक मजदूर की निर्माणाधीन मकान पर काम करते समय हुए हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि मजदूर को हैमर मशीन चलाने का अनुभव नहीं था और मना करने के बावजूद उस पर मशीन चलाने का दबाव बनाया गया, जिसके चलते यह हादसा हुआ।

जानकारी के अनुसार कुसमरा निवासी शैलेंद्र (35) पुत्र स्वर्गीय नाथूराम 11 जुलाई की शाम कस्बे में एक मकान पर मजदूरी कर रहे थे। परिजनों का कहना है कि मकान की छत तोड़ने के लिए उन्हें हैमर मशीन चलाने को कहा गया। अनुभव न होने की बात कहकर शैलेंद्र ने इंकार किया, लेकिन कथित तौर पर उन पर काम करने का दबाव बनाया गया। आरोप है कि जैसे ही शैलेंद्र ने हैमर मशीन से छत तोड़ना शुरू किया, कुछ ही देर में उनका संतुलन बिगड़ गया और वह ऊंचाई से नीचे गिर पड़े। गिरते समय भारी हैमर मशीन भी उनके ऊपर आ गिरी, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। परिजनों के अनुसार झांसी मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने उनकी हालत अत्यंत गंभीर बताते हुए जवाब दे दिया। इसके बाद परिजन उन्हें वापस घर ला रहे थे, तभी रास्ते में उनकी मौत हो गई। मृतक अपने पीछे पत्नी रचना, 10 वर्षीय पुत्र शिवम और 8 वर्षीय पुत्र सत्यम को छोड़ गए हैं। परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, कदौरा थाना प्रभारी परमेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि घटना के संबंध में अभी तक कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। ग्राम प्रधान संतोषी देवी ने बताया कि मजदूरी के दौरान हादसा हुआ था और घायल मजदूर का उपचार कराया गया, लेकिन घर लौटते समय रास्ते में उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कालपी में पंचर बनाने को लेकर विवाद, दुकानदार को बुरी तरह पीटा हो गया घायल

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। कालपी कोतवाली क्षेत्र के कालपी-जालौन मार्ग स्थित झालूपुर मोड़ पर बाइक पंचर बनाने को लेकर हुए विवाद में एक मजदूर पर कुछ लोगों ने दिनदहाड़े लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आ गई और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, सड़क किनारे बाइक पंचर बनाने को लेकर कुछ लोगों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। आरोप है कि विवाद के दौरान हमलावरों ने मजदूर को लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन हमलावर काफी देर तक मारपीट करते रहे। घटना के दौरान किसी व्यक्ति ने पूरी वारदात का वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों ने कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, वीडियो के आधार पर पीड़ित और आरोपियों की पहचान कराई जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर दोषियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि करने के साथ ही घटना में शामिल सभी लोगों की पहचान करने में जुटी हुई

रामपुरा नगर पंचायत में 'नमस्ते डे सेलिब्रेशन' कार्यक्रम आयोजित, 11 सफाई कर्मचारियों को वितरित की गई सुरक्षा किट

(यंग भारत न्यूज)

माधौगण (जालौन)। माधौगढ़ तहसील क्षेत्र की नगर पंचायत रामपुरा कार्यालय में मंगलवार को दोपहर करीब 3 बजे 'नमस्ते डे सेलिब्रेशन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य, सम्मान और कार्यस्थल पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान पंजीकरण के उपरांत नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री वर्मा द्वारा 11 सफाई कर्मचारियों को व्यक्तिगत सुरक्षा किट (पीपीई किट) वितरित की गई। सुरक्षा किट में हाथों के दस्ताने, सुरक्षा जूते, हेलमेट, ड्रेस सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा सामग्री शामिल थी। नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री वर्मा ने कहा कि सफाई कर्मचारी नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना नगर पंचायत की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी सफाई कर्मचारियों से सुरक्षा उपकरणों का नियमित उपयोग करने की अपील भी की। कार्यक्रम में नगर पंचायत के अधिकारी, कर्मचारी एवं सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने सफाई कर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुए उनके सुरक्षित कार्य वातावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

20 जुलाई से पहले पूरा हो जायेगा यमुना के पुराने पुल का मरम्मतीकरण

-मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को लेकर कार्यदायी संस्था ने बढ़ाई काम की रफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन)। यमुना नदी पर स्थित कालपी के पुराने पुल के मरम्मतीकरण का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। कार्यदायी संस्था ने दावा किया है कि 20 जुलाई से पहले मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद झांसी - झांसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात पूरी तरह सामान्य हो जाएगा और जाम की समस्या से राहत मिलेगी।

गौरतलब है कि 26 मई 2026 से पुराने यमुना पुल पर बेयरिंग बदलने का कार्य शुरू किया गया था। मरम्मत के दौरान दोनों ओर का यातायात नए पुल से संचालित किया जा रहा है, जिससे वाहनों का दबाव बढ़ने के कारण हाईवे पर आए दिन लंबा जाम लग रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की कार्यदायी संस्था के इंचार्ज उत्तम सिंह ने बताया कि पुल के कानपुर छोर पर आठ बेयरिंग बदलने का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। इसके साथ ही पुल की सड़क पर आधुनिक तकनीक से तारकोल की नई परत बिछाई जा रही है? जिससे सड़क पूरी तरह गड्ढामुक्त हो जाएगी। उन्होंने बताया कि यदि मौसम अनुकूल रहा तो अगले सप्ताह के भीतर संपूर्ण मरम्मतीकरण का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। बताया जाता है कि इस पुराने पुल में 32 बेयरिंग को बदलकर नई वेयरिंग लगाया जानी है। वर्तमान में 5 - 6 वेयरिंग को स्थापित करना शेष रह गया है।जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देश पर कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है। जिलाधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी मौके का निरीक्षण कर गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निकट भविष्य में सम्भावित जनपद जालौन के दौरे को देखते हुए पुल और सड़क से जुड़े कार्यों में तेजी लाई गई है। ताकि उनके आगमन से पूर्व यातायात व्यवस्था पूरी तरह सुचारु हो सके।

भाजपा पूर्व केंद्रीय मंत्री भानुप्रताप वर्मा ने नर्वदेश्वर महादेव मन्दिर में रुद्राभिषेक किया

(यंग भारत न्यूज)

कुठौंद जालौन, आज भाजपा महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष पूजा शुक्ला नेता की सहभागिता में पूर्व केंद्रीय मंत्री भानु प्रताप वर्मा के 15 जुलाई को होने वाले जन्मदिवस के उपलक्ष्य में नर्वदेश्वर महादेव मंदिर जालौन में विधि विधान मंत्र उच्चारण के साथ रुद्राभिषेक किया, वही वही मंदिर परिसर में पीपल का वृक्ष लगाकर जनमानस बंधुओं को संदेश दिया कि अपने जन्म दिवस पर हर व्यक्ति एक वृक्ष लगाए और सुरक्षा देखकर बड़ा कर अपने जन्म दिवस को पेड़ के साथ यादगार के साथ पर्यावरण बेहद अच्छा रहेगा अवसर पर एम0 एल0 सी0 विधायक आर0 पी0 रामा निरंजन, पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह जादौन, कालपी विधायक प्रतिनिधि आशीष चतुर्वेदी, भाजपा महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष पूजा शुक्ला, जिलाध्यक्ष ऊषा गुप्ता, जिला मंत्री नर्वदा गौतम प्रेमलता उपाध्याय, सरिता कुशवाहा, चेयरमैन प्रतिनिधि पुनीत मितला, पूर्व चेयरमैन शैलेन्द्र सिंह, बृजभूषण मुन्नू भैया, संजय त्रिपाठी, डिंपल एवं सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता जनमानस बंधुओं मौजूद रहकर प्रतिभाग किया

निनावली जागीर में अपना दल (एस) के प्रदेश महासचिव ओंकार सिंह ठाकुर ने किया पौधारोपण, ग्रामीणों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़(जालौन)। माधौगढ़ तहसील क्षेत्र के निनावली जागीर गांव में मंगलवार को अपना दल (एस) के प्रदेश महासचिव ओंकार सिंह ठाकुर ने ग्रामीणों के साथ 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे आयोजित कार्यक्रम में ओंकार सिंह ठाकुर ने कहा कि 'यदि जीवन को सफल और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित बनाना है, तो पेड़ लगाना और उनका संरक्षण करना बेहद आवश्यक है। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। पौधारोपण कार्यक्रम में ग्रामीणों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान कई पौधे रोपे गए तथा उनकी नियमित देखभाल करने का भी संकल्प लिया गया। राजनीतिक दृष्टि से भी यह कार्यक्रम महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि अपना दल (एस) के प्रदेश महासचिव ओंकार सिंह ठाकुर 219 माधौगढ़ विधानसभा क्षेत्र में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर लगातार जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं और क्षेत्रीय दौरे कर कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर रहे हैं।

दूध, दही व पनीर के 30 नमूने लिए 31 अगस्त तक और लिए जायेंगे नमूने

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन)। बरसात के मौसम तथा त्योहारी सीजन के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग ने दूध एवं दुग्ध उत्पादों में मिलावट रोकने के लिए विशेष अभियान शुरू कर दिया है। अभियान के तहत 31 अगस्त तक दूध, दही और पनीर के कुल 30 नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जाएंगे। इस संबंध में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कटियार ने उपजिलाधिकारी अमित शेखर से मुलाकात कर अभियान की कार्ययोजना से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि शासन के निर्देशानुसार क्षेत्र में दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लगातार सैंपलिंग की जाएगी। जांच रिपोर्ट में मिलावट या मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं एवं प्रतिष्ठानों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। आम जनता को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने खाद्य कारोबारियों से गुणवत्ता मानकों का पालन करने और किसी भी प्रकार की मिलावट से बचने की अपील की।

ऑनलाइन ठगी कर रहे लोगों के पुलिस के जांच में आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। दिनों-दिन हो रही ऑनलाइन ठगी के मामले बढ़ते जा रहे हैं। लालच देकर लोगों के खाता खुलवाकर हो रही ऑनलाइन ठगी के मामले में कोतवाली कालपी के सब इंस्पेक्टर ने आरोपियों के विरुद्ध पुलिस टीम के द्वारा कार्यवाही की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार वादी उपनिरीक्षक विशाल भड़ाना ने बताया कि आसिफ खान पुत्र शकील खान निवासी राम चबूतरा थाना कालपी का भारत सरकार के समन्वय प्रतिबिम्ब पोर्टल से प्राप्त खाता संख्या की जांच उप निरीक्षक के द्वारा की गई तो जांच के दौरान पाया गया कि एसबीआई की कालपी ब्रांच खाताधारक आसिफ खान पुत्र शकील खान निवासी राम चबूतरा थाना कालपी के नाम है। समन्वय पोर्टल के माध्यम से उस खाते की जांच की गई तो खाते पर साइबर अपराध से संम्बंधित तीन शिकायतें पंजीकृत पाई गई हैं। जिससे स्पष्ट है कि खाताधारक द्वारा वित्तीय धोखाधड़ी तथा साइबर अपराध के माध्यम से धन के आवागमन के लिए उपयोग किया गया है इस प्रकरण में खाताधारक आसिफ खान पुत्र शकील खान निवासी राम चबूतरा के विरुद्ध पुलिस टीम ने सुसंगत धाराओं में अभियोग दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई है।

विकासखंड रामपुरा की क्षेत्र पंचायत बैठक संपन्न, ब्लॉक प्रमुख अजीत सिंह सेंगर ने साझा किए पांच वर्ष के अनुभव

(यंग भारत न्यूज)

माधौगण (जालौन)। विकासखंड रामपुरा क्षेत्र पंचायत की संभवत: अंतिम बैठक मंगलवार को ब्लॉक प्रमुख अजीत सिंह सेंगर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में शासन द्वारा संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा की गई तथा ग्रामीण विकास, स्वच्छता, पेयजल, स्वास्थ्य, आवास और रोजगार से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के अंत में ब्लॉक प्रमुख ने भावुक संबोधन देते हुए पांच वर्षों के कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए क्षेत्र पंचायत सदस्यों, ग्राम प्रधानों एवं अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

बैठक में ग्रामीण स्वच्छता कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में साफ-सफाई व्यवस्था की समीक्षा की गई। साथ ही पेयजल समस्या, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मुख्यमंत्री आवास योजना, विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका से संबंधित योजनाओं, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) की वार्षिक कार्ययोजना, राज्य वित्त आयोग एवं 16वें वित्त आयोग की अनुदान निधि, विभिन्न पेंशन योजनाओं तथा शासन द्वारा संचालित अन्य विकास कार्यक्रमों की प्रगति पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए ब्लॉक प्रमुख अजीत सिंह सेंगर ने कहा कि क्षेत्र पंचायत की यह संभवत: उनके वर्तमान कार्यकाल की अंतिम बैठक है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में क्षेत्र पंचायत सदस्यों, ग्राम प्रधानों और अधिकारियों के सहयोग से विकासखंड में अनेक जनहितकारी कार्य संपन्न हुए हैं। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने की अपेक्षा जताई। ब्लॉक प्रमुख ने शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि कायाकल्प मिशन के तहत विकासखंड के 30 विद्यालयों को स्मार्ट बोर्ड से सुसज्जित किया गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ आधारभूत सुविधाओं के विकास पर भी लगातार कार्य किए गए हैं।अपने संबोधन में उन्होंने केंद्र एवं प्रदेश की डबल इंजन सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार की नीतियों से ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने के लिए संचालित योजनाओं का भी उल्लेख किया तथा कहा कि कृषि के साथ पर्यटन को बढ़ावा देकर भी क्षेत्र की आर्थिक स्थिति मजबूत की जा सकती है। अजीत सिंह सेंगर ने कहा कि कालपी से पंचनद तक का क्षेत्र प्राकृतिक एवं धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि इस क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए तो स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिलेगी। बैठक के समापन पर ब्लॉक प्रमुख ने क्षेत्र पंचायत सदस्यों एवं ग्राम प्रधानों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी प्रशांत कुमार यादव, एडीओ समाज कल्याण निरपत सिंह, एडीओ ग्राम विकास मनोज कुमार बाथम, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) भारत सिंह, अवर अभियंता लघु सिंचाई सुरजीत सिंह, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेंद्र सिंह, एनआरएलएम के बीएमएम बृजेश कुमार, शाइस्ता, समस्त ग्राम पंचायत अधिकारी, तकनीकी सहायक, क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान तथा क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

निरंकुश होकर जगम्मनपुर में सम्पत्ति विवाद में सेटिंग के तहत जबरन घर में घुसी पुलिस

पुलिस ने जबरन घर में घुसकर की तोड़फोड़ और मारपीट

- डीजीपी, आईजी, डीएम और एसपी को भेजा शिकायती पत्र
- अब तक नही हुई पीड़ित परिवार की कोई सुनवाई
- पुलिसिया राज कायम करने पर आमादा रामपुरा थाना एवं जगम्मनपुर चौकी पुलिस

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जालौन जिले के रामपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम जगम्मनपुर में संपत्ति विवाद को लेकर पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। गांव निवासी राजकुमार पुत्र स्वर्गीय बैजनाथ और शिवशंकर पुत्र स्वर्गीय बैजनाथ ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), आईजी, पुलिस अधीक्षक (एसपी), जिलाधिकारी (डीएम) जालौन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को पांच पृष्ठों का शिकायती पत्र भेजकर आरोप लगाया है कि स्थानीय पुलिस ने न्यायालय में विचाराधीन संपत्ति विवाद में हस्तक्षेप करते हुए उनके घर में जबरन प्रवेश किया, तोड़फोड़ की और परिवार पर दबाव बनाकर कथित समझौता कराया। पीड़ितों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा सभी इलेक्ट्रॉनिक एवं दस्तावेजी साक्ष्यों को सुरक्षित रखने की मांग की है। शिकायत के अनुसार, संबंधित संपत्ति का विवाद पहले से ही माधौगढ़ न्यायालय में विचाराधीन है। पीड़ितों का कहना है कि इस मामले में वाद संख्या 23/2025 लंबित है, इसलिए किसी भी प्रकार की कार्रवाई न्यायालय के निर्णय के अधीन होनी चाहिए थी। इसके बावजूद पुलिस ने कथित रूप से एक पक्ष को लाभ पहुंचाने की मंशा से हस्तक्षेप किया और विवादित संपत्ति पर कब्जा दिलाने की कोशिश की।

पीड़ितों का आरोप है कि 6 जून 2026 को विवादित संपत्ति का कथित रूप से विक्रय किया गया। इसके बाद दूसरे पक्ष ने कब्जा लेने का प्रयास शुरू कर दिया। इस संबंध में उन्होंने पहले ही पुलिस और प्रशासन को लिखित शिकायत देकर अवगत करा दिया था कि मामला न्यायालय में लंबित है, इसलिए किसी भी प्रकार का पुलिस हस्तक्षेप कानून व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रिया के विपरीत होगा। शिकायती पत्र में कहा गया है कि 11 जुलाई 2026 को उन्होंने उच्च अधिकारियों को ऑनलाइन शिकायत भेजकर आशंका व्यक्त की थी कि स्थानीय पुलिस की सहायता से जबरन कब्जा कराया जा सकता है। आरोप है कि उसी दिन शाम को जगम्मनपुर पुलिस चौकी के प्रभारी और अन्य पुलिसकर्मी उनके घर पहुंचे और बिना अनुमति जबरन घर में प्रवेश कर गए। इस दौरान घर में तोड़फोड़ की गई और परिवार के सदस्यों के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। पीड़ितों का आरोप है कि इसके बाद उन्हें रामपुरा थाने ले जाया गया, जहां पहले से मौजूद सूर्यकांत मिश्रा की मौजूदगी में एक हस्तलिखित समझौता पत्र तैयार कराया गया। उनका कहना है कि पुलिस ने उन पर उस समझौते पर हस्ताक्षर करने का दबाव बनाया। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि यह समझौता उनकी स्वतंत्र इच्छा से नहीं, बल्कि पुलिस के कथित दबाव और भय के कारण कराया गया।शिकायत में यह भी कहा गया है कि पूरे घटनाक्रम का वीडियो उनके पास मौजूद है, जिसमें उन्होंने कैमरे के सामने अपनी पूरी आपबीती दर्ज कराई है। उनके अनुसार, वीडियो में पुलिस की कार्रवाई और कथित दबाव संबंधी बातें भी दर्ज हैं। हालांकि, इस वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। पीड़ितों ने वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि 11 जुलाई 2026 की पुलिस चौकी और थाने की सीसीटीवी फुटेज, जनरल डायरी (जीडी), आगमन-रवानगी रजिस्टर, ड्यूटी रजिस्टर, पुलिस वाहन की लॉगबुक, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तत्काल सुरक्षित कराए जाएं, ताकि जांच के दौरान किसी भी प्रकार के साक्ष्य नष्ट न हो सकें। उन्होंने यह भी मांग की है कि जांच पूरी होने तक संबंधित चौकी प्रभारी और मामले से जुड़े अन्य पुलिसकर्मियों को इस प्रकरण से अलग रखा जाए, जिससे जांच निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से हो सके। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाए। पीड़ितों का कहना है कि उन्हें न्यायिक प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है और वे चाहते हैं कि संपत्ति विवाद का समाधान अदालत के माध्यम से ही हो।

उनका आरोप है कि पुलिस की कथित कार्रवाई से न केवल न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित हुई, बल्कि उनके संवैधानिक और कानूनी अधिकारों का भी हनन हुआ। फिलहाल इस मामले में संबंधित पुलिस अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं, प्रशासन की ओर से भी शिकायत की जांच शुरू होने या किसी कार्रवाई की पुष्टि नहीं की गई है। ऐसे में अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि वरिष्ठ अधिकारी शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच किस प्रकार कराते हैं और मामले में आगे क्या कार्रवाई होती है।

उरई में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, जिला परिषद चौराहे से मामू-भांजे मजार तक हटाए गए अवैध कब्जे

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। सिटी मजिस्ट्रेट के निर्देशन में नगर पालिका परिषद की टीम ने जिला परिषद चौराहे से लेकर मामू-भांजे मजार तक सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों को हटाया। अभियान के दौरान जेसीबी और नगर पालिका की टीम ने सड़क व नालियों पर किए गए अस्थायी अतिक्रमण, टीन शेड, ठेले, गुमटियां तथा अन्य अवैध निर्माण हटाए। अधिकारियों ने दुकानदारों और व्यापारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि दोबारा सार्वजनिक मार्ग या नालियों पर अतिक्रमण करने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि अतिक्रमण के कारण यातायात बाधित हो रहा था और आम लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अभियान का उद्देश्य सड़क को अतिक्रमण मुक्त कर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाना तथा शहर की साफ-सफाई और व्यवस्था बनाए रखना है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान नगर पालिका परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी, राजस्व विभाग की टीम तथा पुलिस बल मौजूद रहा। प्रशासन ने कहा कि शहर के अन्य क्षेत्रों में भी अतिक्रमण के विरुद्ध इसी प्रकार का अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

मेडिकल कॉलेज उरई में शुरू हुई सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी

सप्ताह के अलग-अलग दिनों में न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, एंडोक्राइनोलॉजी और गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के विशेषज्ञ देंगे परामर्श

(यंग भारत न्यूज)

उरई,जालौन । जनपदवासियों के लिए राहत भरी खबर है। राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई में सामान्य ओपीडी के साथ अब सुपर स्पेशियलिटी ओपीडी का भी संचालन शुरू कर दिया गया है। इससे गंभीर एवं जटिल बीमारियों से पीड़ित मरीजों को इलाज के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

मेडिकल कॉलेज प्रशासन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सोमवार को डायबिटीज एवं थायराइड (एंडोक्राइनोलॉजी), मंगलवार को मस्तिष्क एवं नसों के रोग (न्यूरोलॉजी), बुधवार को गुर्दा रोग (नेफ्रोलॉजी), गुरुवार को पुनः न्यूरोलॉजी तथा शुक्रवार को पेट एवं पाचन तंत्र से संबंधित जटिल रोगों (गैस्ट्रोएंटरोलॉजी) की विशेषज्ञ ओपीडी संचालित होगी।

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ महेंद्र सिंह ने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य जालौन सहित आसपास के जनपदों के मरीजों को एक ही स्थान पर विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। मरीज निर्धारित दिवस पर संबंधित विभाग की ओपीडी में पहुंचकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श एवं उपचार प्राप्त कर सकते हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र, जालौन में पोषण एवं कुपोषण मुक्ति पर प्रशिक्षण

-25 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को मिली किचन गार्डन किट

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) में मंगलवार को गर्भवती महिलाओं, धात्री (स्तनपान कराने वाली) माताओं के बेहतर पोषण प्रबंधन एवं कुपोषण मुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 25 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण का संचालन कृषि विज्ञान केंद्र की गृह वैज्ञानिक डॉ. राजकुमारी ने किया।

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. राजकुमारी ने बताया कि गर्भावस्था के समय महिलाओं को सामान्य से अधिक ऊर्जा, प्रोटीन, आयरन और फोलिक एसिड की आवश्यकता होती है। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध मौसमी फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, दूध तथा मोटे अनाज जैसे बाजरा और रागी को नियमित भोजन में शामिल करने के लिए प्रेरित करने की सलाह दी। उन्होंने धात्री माताओं के लिए

जन्म के बाद शुरुआती छह माह तक केवल स्तनपान कराने के महत्व पर विशेष जोर दिया। साथ ही बताया कि पर्याप्त दूध उत्पादन और मां के अच्छे स्वास्थ्य के लिए तरल पदार्थ, कैल्शियम एवं प्रोटीन युक्त आहार आवश्यक है। प्रशिक्षण में कुपोषण से बचाव के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। डॉ. राजकुमारी ने बताया कि संतुलित एवं पौष्टिक आहार अपनाकर एनीमिया (खून की कमी) तथा बच्चों में कुपोषण जैसी गंभीर समस्याओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर पोषण के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

25 कार्यकर्ताओं को वितरित की गई किचन गार्डन किट

कार्यक्रम के समापन पर कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से सभी 25 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को नि:शुल्क 'किचन गार्डन किट' (पोषण वाटिका किट) वितरित की गई। इस किट के माध्यम से गांवों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण वाटिका विकसित की जाएगी, जिससे गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को घर के पास ही ताजा, रसायन मुक्त और पौष्टिक सब्जियां जैसे पालक, लौकी, टमाटर, लोबिया आदि उपलब्ध हो सकें। समापन अवसर पर डॉ. राजकुमारी ने कहा कि प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी को प्रत्येक गांव और प्रत्येक परिवार तक पहुंचाना सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास जताया कि सामूहिक प्रयासों से जालौन को कुपोषण मुक्त और स्वस्थ जिला बनाने के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

जालौन में धारा-163 लागू: 7 सितंबर तक निषेधाज्ञा प्रभावी, त्योहारों और परीक्षाओं के मद्देनजर डीएम के सख्त निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद में आगामी त्योहारों, विश्वविद्यालय एवं प्रतियोगी परीक्षाओं को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट राजेश कुमार पाण्डेय ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा-163 (पूर्व धारा-144) के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होकर 7 सितंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि ईद-ए-मिलाद (बारावफात), रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, स्वतंत्रता दिवस, चेहल्लुम सहित विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों तथा विश्वविद्यालय एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह आदेश जारी किया गया है।

प्रशासन ने सभी सरकारी अस्पतालों में जीवनरक्षक दवाओं का पर्याप्त स्टॉक, विशेषज्ञ चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ की 24 घंटे उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नदियों के घाटों पर बैरिकेडिंग, गोताखोर, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और गहरे पानी वाले स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश भी दिए गए हैं। त्योहारों और मेलों के दौरान पुलिस पिकेट, मोबाइल पेट्रोलिंग, ट्रैफिक डायवर्जन, सीसीटीवी निगरानी, अग्निशमन, एंबुलेंस और दंगा निरोधक उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने के साथ सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों और धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हथियारों के प्रदर्शन पर रोक

आदेश के अनुसार जनपद की सीमा में कोई भी व्यक्ति लाठी-डंडा (अंधे, दिव्यांग एवं सिख धर्म के कृपाण को छोड़कर), तलवार, त्रिशूल, फरसा, कटार, आग्नेयास्त्र या अन्य घातक हथियार लेकर सार्वजनिक स्थानों पर नहीं चल सकेगा और न ही उनका प्रदर्शन करेगा। यह प्रतिबंध ड्यूटी पर तैनात पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बलों पर लागू नहीं होगा। ध्वनि प्रदूषण नियमों का पालन अनिवार्य धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक आयोजनों में लाउडस्पीकर का उपयोग ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम-2000 तथा सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप ही किया जाएगा। निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

सोशल मीडिया और साइबर कैफे पर भी निगरानी

प्रशासन ने सोशल मीडिया पर भड़काऊ, आपत्तिजनक या अफवाह फैलाने वाली सामग्री के प्रसार पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। साइबर कैफे संचालकों को बिना पहचान पत्र किसी भी व्यक्ति को सेवा न देने, आगंतुक रजिस्टर बनाए रखने तथा वेब कैमरा एवं रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।परीक्षा केंद्रों और सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा बढ़ेगी विश्वविद्यालय एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान परीक्षा केंद्रों के आसपास विशेष पुलिस बल तैनात रहेगा। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, होटल, ढाबों और सार्वजनिक स्थलों पर भी विशेष चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। साथ ही पेट्रोल, डीजल और गैस की कालाबाजारी तथा अवैध भंडारण पर भी सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि आदेश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता की धारा-223 के तहत दंडनीय अपराध होगा। आदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार सभी तहसीलों, थानों, न्यायालयों तथा पुलिस कंट्रोल रूम के माध्यम से कराया जाएगा।

यूपी में 363 पीसीएस अधिकारियों का तबादला, जनपद को मिले पांच नए एसडीएम

सभी उपजिलाधिकारीयो का हुआ तबादला, रिंकू सिंह नॉट आउट

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश शासन ने प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं चुस्त-दुरुस्त बनाने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर 363 पीसीएस अधिकारियों का तबादला किया है। इस क्रम में रविवार देर रात 182 तथा सोमवार को 181 अधिकारियों के स्थानांतरण आदेश जारी किए गए। इनमें सर्वाधिक संख्या उपजिलाधिकारी (एसडीएम) स्तर के अधिकारियों की है।

इस व्यापक प्रशासनिक फेरबदल का असर जालौन जनपद पर भी पड़ा है। शासन के आदेशानुसार कुमार संजय, मनोज प्रकाश, अभिनव कुमार यादव, उत्तम कुमार तिवारी एवं अनीता देवी को जालौन में नए उपजिलाधिकारी के रूप में तैनात किया गया है। सभी अधिकारी जल्द ही अपने-अपने पदों का कार्यभार संभालेंगे। वहीं, जालौन में पूर्व से तैनात विश्वेश्वर सिंह, हेमंत पटेल, ज्योति सिंह, वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता एवं अमित शेखर का स्थानांतरण अन्य जनपदों में कर दिया गया है। शासन के इस निर्णय को प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक गतिशील एवं प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। स्थानीय प्रशासन एवं अधिकारियों ने नए उपजिलाधिकारियों का स्वागत करते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं।

ससुरालियों के उत्पीड़न से तंग आकर माता-पिता संग कोतवाली पहुँची विवाहिता

पति व ससुराल पक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। माधौगढ़ कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत घरेलू हिंसा और विवाहिता के उत्पीड़न का एक गंभीर मामला सामने आया है। मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे एक पीड़ित विवाहिता अपने माता-पिता के साथ न्याय की गुहार लगाने माधौगढ़ कोतवाली पहुँची। महिला ने अपने पति और ससुरालीजनों के खिलाफ शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायती पत्र सौंपा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सीता देवी पत्नी योगेंद्र जो कि वर्तमान में ग्राम बोहरा की निवासी हैं, मंगलवार को बदहवास हालत में अपने पिता और मां के साथ कोतवाली पहुँचीं। पीड़ित महिला सीता देवी ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि उसका पति योगेंद्र आए दिन उसके साथ बिना किसी वजह के गाली-गलौज और बेरहमी से मारपीट करता है। ससुराल के अन्य लोग भी इस प्रताड़ना में पति का साथ देते हैं।

पिता का दर्द

बेटी को घर से बाहर निकाल दिया

मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे कोतवाली परिसर में मौजूद पीड़ित महिला के पिता ने अपनी बेटी की आपबीती बताते हुए कहा कि दामाद और उसके परिजनों की क्रूरता इस कदर बढ़ गई है कि उन्होंने उनकी बेटी को मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया। थक-हारकर बेटी को अपने मायके की शरण लेनी पड़ी। हमारी बेटी को आए दिन मारा-पीटा जाता है। हद तो तब हो गई जब उसे घर से बेघर कर दिया गया। हम अपनी बेटी को न्याय दिलाने के लिए कानून का दरवाजा खटखटाने को मजबूर हुए हैं। विवाहिता की तहरीर पर माधौगढ़ कोतवाली पुलिस ने मामले को संज्ञान में ले लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि महिला द्वारा लगाए गए आरोपों के आधार पर शिकायती पत्र ले लिया गया है। मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपी पति व ससुराल पक्ष को पूछताछ के लिए कोतवाली तलब किया जाएगा। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आईटीआई उर ई में मंगलवार को आयोजित रोजगार मेले में 97 7 अभ्यर्थियों में से 546 अभ्यर्थियों का चयन हुआ

(यंग भारत न्यूज)

उरई। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, (जालौन) के संयुक्त तत्वाधान में आज दिनांक 14.07.2026 को वृहद रोजगार मेले का आयोजन नोडल संस्थान – राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान उरई (जालौन) में किया गया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय रविन्द्र कुमार प्रतिनिधि सदर विधायक, विशिष्ट अतिथि आर0पी0 निरंजन जी प्रतिनिधि विधान परिषद सदस्य, बिपिन शिवहरे उर्फ ध्रुव जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय लोकदल पार्टी एवं श्री मनोज बुधौलिया क्षेत्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय लोकदल पार्टी उपस्थित रहे । कार्यक्रम का उदघाटन माननीय विधायक प्रतिनिधि द्वारा फीता काट कर किया गया। उक्त कार्यक्रम में जनपद स्तर से लेकर अन्य प्रदेशों की प्रतिष्ठित लगभग 16 कम्पनियों ने प्रतिभाग किया। रोजगार मेले में लगभग 977 छात्रों ने प्रतिभाग किया जिसमें 546 छात्र चयनित हुये। उक्त रोजगार मेले में हायर एप्लीकेंस प्रा0लि0, मदर्सन प्रा0लि0, गेट्स इंडिया प्रा0लि0, प्रथम एजूकेशन प्रा0लि0, जे0बी0एम0 प्रा0लि0, टेक्नो इंडस्ट्रीज प्रा0लि0, वर्द्धमान प्रा0लि0, एस0आर0एफ0 प्रा0लि0, पहारपूर कूलिंग टॉवर, लावा इंटरनेशनल लि0, कॉल्विन मैनेजमेंट सोल्यूसन, प्रास इंटरप्राईजेज, अवनिका हेल्थकेयर, एल0आई0सी0 उरई, सुजीकी / साटा विकास इंडिया प्रा0लि0 एवं एस0बी0आई0 लाइफ इंसुरेंस लगभग 16 कम्पनियों ने प्रतिभाग किया ।जिसमें अभ्यर्थियों का उनकी योग्यता अनुसार चयन किया गया ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती की मूर्ति पर दीप प्रज्ववलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम के शुरुआत में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, उरई (जालौन) के प्रधानाचार्य मान सिंह भारती द्वारा मुख्य अतिथि रविन्द्र कुमार प्रतिनिधि सदर विधायक, आर0पी0 निरंजन जी प्रतिनिधि रमा निरंजन विधान परिषद सदस्य एवं मनोज बुधौलिया जी का फूल एवं गुलदस्ता देकर स्वागत किया । कार्यक्रम का उद्बोधन करते हुये मुख्य अतिथि माननीय रविन्द्र कुमार प्रतिनिधि सदर विधायक,जालौन ने प्रशिक्षार्थियों कहा कि यह रोजगार मेला जनपद वासियों की बेरोजगारी को खत्म करने का साधन है । प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री जी के द्वारा देश की जनता की बेरोजगारी खत्म करने के लिये प्रत्येक जनपद में रोजगार मेलों का आयोजन किया गया है। आप सभी अभ्यर्थियों ने अभी तक सैद्धान्तिक / तकनीकि शिक्षा ग्रहण की है परन्तु कम्पनियों में जाकर ही कम्पनियों की जरूरत के अनुसार प्रयोगात्मक एंव व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही उन्होने कहा कोई भी नौकरी छोटी या बड़ी नही होती है परन्तु उसकी शुरूआत बहुत जरूरी है , मुझे उम्मीद है कि आप छोटी पद से शुरूआत कर कम्पनी के सबसे बडें पद पर पहुचें। जिससे जनपद का नाम रोशन हो।

कार्यक्रम का उद्बोधन करते हुये आर0पी0 निरंजन जी ने बताया आज विज्ञान और तकनीकि का युग है । आज के समय डिग्री के साथ – साथ स्किल सबसे जरूरी है , और स्किल आपको आई0टी0आई0 से मिलती है। आई0टी0आई0 से तकनीकि कौशल प्राप्त कर उसे उद्योगों में उपयोग कर युवा अपना भविष्य उज्वल बना सकते हैं। माननीय द्वारा अभ्यर्थियों को एक पेड़ मां के नाम हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के अन्त में नोडल प्रधानाचार्य मान सिंह भारती द्वारा मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि माननीय रविन्द्र कुमार प्रतिनिधि सदर विधायक, आर0पी0 निरंजन जी प्रतिनिधि विधान परिषद सदस्य, बिपिन शिवहरे उर्फ ध्रुव जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय लोकदल पार्टी एवं मनोज बुधौलिया क्षेत्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय लोकदल पार्टी को स्मृति चिन्ह एवं पौधा भेंट कर आभार व्यक्त किया एवं कार्यक्रम में उपस्थित समस्त प्रतिनिधियों, सम्मानित पत्रकारों, समस्त कम्पनी के प्रतिनिधियों एवं समस्त प्रशिक्षार्थियों का अभिवादन किया । कार्यक्रम के सफल आयोजन में राधा मोहन सक्सेना प्रधानाचार्य माधौगढ़, रमेश कुमार पूर्व प्रधानाचार्य कोंच, संजय कुमार शुक्ला कार्यदेशक, नरेन्द्र सिंह भदौरिया कार्यदेशक, अजय पाल सिंह कार्यदेशक, धर्मेन्द्र कार्यदेशक, ओम नारायन सचान कार्यदेशक, नीलेश राव प्लेसमेंट प्रभारी, रणजीत सिंह अनुदेशक, नरेन्द्र कुमार अनु0, मो0 शफीक खांन अनु0, साविर खान, धर्मेन्द्र सिंह यादव, नरेन्द्र सिंह, कपिल कुमार, कपिल देव वर्मा, राजेन्द्र पाल सिंह, भगवत किशोर वर्मा, राजेश राजपूत, पंकज कुमार नामदेव, नीरज त्रिपाठी, रामबदन पटेल, श्रीमती कीर्तिलता गौर, सत्येन्द्र कुमार सक्सेना, मनोज कुमार वर्मा, हरगोविंद , घनश्याम यादव, भारत शर्मा, तौफीक अहमद के साथ आई0टी0आई0 स्टॉफ एवं कौशल विकास मिशन स्टॉफ का सहयोग रहा ।

सड़क सुरक्षा का कराएं पालन, नियम तोड़ने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई - जिलाधिकारी

रॉन्ग साइड, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, तेज रफ्तार और अवैध अतिक्रमण के खिलाफ चलेगा विशेष अभियान

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन) ।जनपद में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा सुरक्षित एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी ।जिलाधिकारी ने परिवहन, पुलिस एवं संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि रॉन्ग साइड वाहन चलाने, बिना हेलमेट दोपहिया चलाने, बिना सीट बेल्ट चारपहिया वाहन चलाने तथा तेज गति से वाहन संचालित करने वालों के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने के साथ-साथ आमजन को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाए। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए गए कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर बने सभी अवैध कट तत्काल चिन्हित कर बंद कराए जाएं। यदि कोई व्यक्ति पुन: अवैध रूप से कट खोलता है तो उसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अवैध कट सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बनते हैं, इसलिए इस पर किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। जिलाधिकारी ने नगर मजिस्ट्रेट, अधिशासी अधिकारी, लोक निर्माण विभाग एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़कों के किनारे बालू, ईंट, गिट्टी एवं अन्य निर्माण सामग्री रखकर किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध संयुक्त अभियान चलाया जाए। अतिक्रमण हटाने के साथ सामग्री जब्त कर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों पर खराब अथवा निष्क्रिय अवस्था में खड़े वाहनों को तत्काल हटवाने के निर्देश दिए, ताकि यातायात सुचारु बना रहे और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो। नगर निकायों को शहर क्षेत्र में लगे अवैध होर्डिंग, बैनर एवं अन्य अवैध विज्ञापन सामग्री हटाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि सार्वजनिक मार्गों पर अवैध होर्डिंग न केवल यातायात व्यवस्था को प्रभावित करते हैं बल्कि दुर्घटनाओं का कारण भी बन सकते हैं। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों से जुर्माना भी वसूला जाए। जिलाधकारी ने नगर पालिका परिषद के समस्त 34 वार्डों के जिला स्तरीय अधिकारियों को नोडल अधिकारी नामित करते हुए निर्देशित किया कि वार्डों में मार्ग प्रकाश व्यवस्था, नाला सफाई आदि का सत्यापन कर रिपार्ट प्रस्तुत करें। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा से जुड़े मामलों में यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जनपद में सुरक्षित, व्यवस्थित एवं अनुशासित यातायात व्यवस्था स्थापित करना सभी विभागों की साझा जिम्मेदारी है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राजीव राज, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एच एन प्रसाद, सीओ राजीव शर्मा, अधिशासी अभियंता सुनील कुमार, अमित सक्सेना, महेन्द्र सिंह, एआरटीओ प्रवर्तन राजेश कुमार आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

शिक्षा ही समाज और राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला है - बृजकिशोर

- दृढ़ोमर वैश्य समाज ने मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

(यंग भारत न्यूज)

उरई,जालौन। अखिल भारतीय दृढ़ोमर वैश्य समाज के तत्वावधान में मंगलवार को तुलसी नगर स्थित दृढ़ोमर धर्मशाला में मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में बोर्ड एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 60 से अधिक प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया गया। साथ ही आर्थिक तंगी के कारण पढ़ाई बीच में छूटने की कगार पर पहुंचे समाज के 5 बच्चों को कार्यकारिणी द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजकिशोर गुप्ता और भाजपा प्रदेश मंत्री अनिल यादव रहे। दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ शुरू हुए कार्यक्रम में अतिथियों ने मेधावियों को मेडल, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजकिशोर गुप्ता ने सभी बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला है। उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया कि धन के अभाव में किसी भी बच्चे की पढ़ाई नहीं रुकनी चाहिए। 'जो बच्चे संसाधनों के अभाव में आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं, समाज के सक्षम लोग अपनी श्रद्धा अनुसार उनका सहयोग अवश्य करें।' भाजपा प्रदेश मंत्री अमिल यादव ने कहा कि प्रतिभाएं किसी जाति या वर्ग की मोहताज नहीं होतीं। समाज द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किया जा रहा यह प्रयास सराहनीय है। इससे बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ेगी और वे देश का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम संयोजक नितिन कुसमीलिया ने बताया कि छात्रवृत्ति पाने वाले पांचों बच्चों का चयन आर्थिक स्थिति और शैक्षिक प्रदर्शन के आधार पर किया गया है, ताकि वे बिना बाधा के अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री रमाकान्त गुप्ता इमिलिया, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष कृष्ण कन्हैया गुप्ता, आंचल अध्यक्ष श्याम जी गुप्ता, युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मयंक गुप्ता, गोपाल गुप्ता सचिव, कालपी इकाई अध्यक्ष श्रीराम, इकाई कोषाध्यक्ष प्रमोद गुप्ता, राष्ट्रीय मंत्री मनोज जी, सह संयोजक रोहित फ्लावर सहित महिला पदाधिकारियों में श्रीमती शांति गुप्ता, श्रीमती सुधा गुप्ता, श्रीमती सुधा नागेन्द्र गुप्ता, श्रीमती राधा गुप्ता, सुनीता गुप्ता और श्रीमती आराधना गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में घर मे मिला युवक का शव

पुलिस जांच में जुटी, अभी तक नही लग पा रहा है कोई सुराग

(यंग भारत न्यूज)

उरई। कदौरा थाना क्षेत्र के न्यू रॉयल गार्डन, हमीरपुर रोड स्थित एक मकान में मंगलवार को एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि युवक ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। परिवार में शोक का माहौल है, जबकि मोहल्ले में भी घटना को लेकर दुख और चर्चा का वातावरण बना हुआ है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की गहनता से जांच की जा रही है। परिजनों एवं आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के साथ-साथ जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल घटना के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

ओ-लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 20 जुलाई तक बढ़ी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन) । जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गिरीश त्रिपाठी ने बताया कि निदेशक पिछड़ा वर्ग कल्याण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए संचालित ओ-लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन की संशोधित समय-सारिणी जारी कर दी गई है।

उन्होंने बताया कि अब इच्छुक अभ्यर्थी 20 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन करने के साथ ही अभ्यर्थियों को अपने शैक्षिक एवं अन्य आवश्यक अभिलेख पोर्टल पर अपलोड करने होंगे। इसके बाद आवेदन पत्र की दो प्रतियां डाउनलोड कर सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित निर्धारित तिथि तक जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय में हार्ड कॉपी जमा करनी होगी। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों एवं अभिलेखों का सत्यापन, आय एवं जाति प्रमाण पत्र सहित अन्य दस्तावेजों की जांच, पात्र अभ्यर्थियों का सत्यापन एवं डिजिटली लॉक करने तथा अपात्र अथवा त्रुटिपूर्ण आवेदनों को निरस्त करने की प्रक्रिया अब 3 अगस्त 2026 तक पूरी की जाएगी। इसके बाद चयनित अभ्यर्थियों का संबंधित प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश, नीलिट में पंजीकरण, प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों को आवंटन तथा आधार आधारित बायोमैट्रिक/फेशियल ऑथेंटिकेशन की प्रक्रिया 10 अगस्त 2026 तक पूरी की जाएगी। वहीं चयनित प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण 11 अगस्त 2026 से प्रारंभ कराया जाएगा। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों के भीतर अपना ऑनलाइन आवेदन भरकर उसकी दो प्रतियां एवं सभी वांछित संलग्नकों सहित जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय में समय से जमा करना सुनिश्चित करें।

सड़क हादसे में बीए प्रथम वर्ष के छात्र की मौत

मृतक का भेजा फटा, आरोपी फरार, बाइक सवार की तलाश में जुटी पुलिस

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जालौन शहर में सोमवार देर शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बीए प्रथम वर्ष के 18 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि बेटे की मौत की खबर सुनकर मां का रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार, चुरखी थाना क्षेत्र के ग्राम रिनिया वैदपुर निवासी सत्यम सिंह (18) उरई के पटेल नगर में अपनी बड़ी बहन शिवानी के साथ रहकर बीए प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहा था। उसकी बहन बीएससी की छात्रा होने के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कर रही है। सत्यम के पिता प्रेम सिंह परिवार के भरण-पोषण के लिए गोवा में मजदूरी करते हैं। बताया गया कि सोमवार शाम सत्यम कोच बस स्टैंड से सामान खरीदकर अपनी बाइक से पटेल नगर स्थित कमरे पर लौट रहा था। तभी ठडेश्वरी मंदिर के सामने सामने से तेज रफ्तार में आ रही दूसरी बाइक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सत्यम गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा, जबकि दूसरा बाइक चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने घायल छात्र को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मोबाइल फोन के माध्यम से परिजनों को सूचना दी गई। अस्पताल पहुंची मां आराधना बेटे की मौत की खबर सुनकर बार-बार बेसुध हो गई, जिससे अस्पताल का माहौल भी गमगीन हो गया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक आनंद कुमार सिंह ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फरार बाइक चालक की तलाश की जा रही है तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई में जुटी है।

बाल विकास परियोजना में व्याप्त है भृष्टाचार, अभिलेख हो गए गायब, इसे लेकर मचा है हड़कंप

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। बाल विकास परियोजना कार्यालय, कदौरा में गंभीर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। शिकायतों के अनुसार, परियोजना कार्यालय में कुछ आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियमित रूप से कार्यालयी कार्यों में लगाया गया है, जबकि उनके संबंधित आंगनबाड़ी केंद्र लंबे समय से बंद रहने की बात कही जा रही है। आरोप है कि इन कार्यकत्रियों के माध्यम से क्षेत्र की अन्य आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से धन की मांग और वसूली कराई जाती है।

- **नियुक्ति संबंधी अभिलेखों के गायब होने के आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग।**
- **कार्यालय में तैनात आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों पर वसूली कराने और केंद्र बंद रखने के आरोप।**
- **सीडीपीओ उषा यादव पर कार्यालय संचालन में अनियमितता के आरोप, उच्च अधिकारियों से कार्रवाई की मांग।**

शिकायतों में यह भी कहा गया है कि कार्यालय की गोपनीय फाइलों और नियुक्ति संबंधी महत्वपूर्ण अभिलेखों की जिम्मेदारी विभागीय कर्मचारियों के बजाय निजी तौर पर लगाए गए लोगों और कुछ आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सौंप दी गई है। आरोप है कि इसी दौरान कई पुरानी नियुक्तियों से संबंधित फाइलें और महत्वपूर्ण दस्तावेज गायब हो गए हैं। यदि समय रहते उच्च स्तरीय जांच नहीं कराई गई तो अन्य महत्वपूर्ण अभिलेख भी गायब होने की आशंका जताई जा रही है। कुछ आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर आरोप लगाया कि कार्यालय में बैठी कुछ कार्यकत्रियां फोन के माध्यम से क्षेत्र में कार्यरत कार्यकत्रियों से धन की मांग करती हैं। उनका कहना है कि कई बार इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से भी की गई, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि प्रभारी बाल विकास परियोजना अधिकारी उषा यादव कर्मचारी कमी का हवाला देकर निजी तौर पर कुछ आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से कार्यालय का कार्य करा रही हैं। आरोप यह भी है कि इन्हीं लोगों के माध्यम से विभिन्न योजनाओं और सामग्री वितरण के दौरान कथित रूप से अवैध वसूली कराई जाती है। साथ ही यह भी कहा गया कि जिन कार्यकत्रियों को कार्यालय में बैठाया गया है, उनके केंद्रों का संचालन प्रभावित हो रहा है, जिससे लाभार्थियों को योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि सीडीपीओ उषा यादव सप्ताह में सीमित दिनों के लिए ही परियोजना कार्यालय आती हैं, जिससे कार्यालय की व्यवस्था प्रभावित रहती है। शिकायतकर्ताओं ने मांग की है कि कार्यालय में लंबे समय से बैठाई गई आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को तत्काल उनके मूल केंद्रों पर भेजा जाए तथा नियुक्ति अभिलेखों, कार्यालयी फाइलों और कथित वसूली के आरोपों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। उनका कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए, जिससे विभागीय पारदर्शिता और योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्रों तक पहुंच सके।

अभी विवाह के बस आठ माह बीते थे, संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की फंदे पर लटकी मिली लाश

मायके पक्ष ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

(यंग भारत न्यूज)

उरई। डकोर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम टीकर में विवाह के करीब आठ माह बाद 22 वर्षीय नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव घर के अंदर दुपट्टे के फंदे से लटका मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतका की पहचान मुस्कान के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार उसकी शादी 1 नवंबर 2025 को टीकर निवासी नाशिर अली पुत्र बशीर के साथ हुई थी। मृतका का मायका झांसी जनपद के मोठ थाना क्षेत्र स्थित ग्राम बहरौली (अली का नाला) में है।मृतका के पिता शाकिर अली ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद से ही अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उनकी बेटी को मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। उनका आरोप है कि मुस्कान की हत्या कर साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को फंदे पर लटकाया गया। वहीं, ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या का मामला बता रहा है, जिससे दोनों पक्षों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही डकोर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डकोर कोतवाली प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का प्रतीत होता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फोरेंसिक साक्ष्यों और दोनों पक्षों के बयानों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है।

क्या बीजेपी में कुछ बहुत बड़ा होने वाला है? 6 घटनाओं का 'मोदी धमाके' की ओर इशारा

।लगता है कि कुछ बड़ा होने वाला है । कुछ अप्रत्याशित । क्योंकि पिछले कुछ दिनों से लगातार ऐसी अप्रत्याशित घटनायें हो रही हैं, जिन्हें सामान्य नहीं कहा जा सकता है। वैसे तो ये सिलसिला 2024 चुनाव के बाद से शुरू हो गया था लेकिन अब इसकी जद में बीजेपी और सरकार भी आती दिख रही है ।

2024 चुनाव के बाद जिस तरह से बीजेपी हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली, बिहार और बंगाल जीती, उसकी उम्मीद कम से कम विपक्ष को तो नहीं थी। राहुल गांधी ने वोट चोरी के आरोप लगाये। चुनाव आयोग ने अचानक स्ढ्ढक्रका ऐलान कर दिया और विपक्ष के तमाम आरोपों और दबाव के बाद भी उसने किसी की एक नहीं सुनी ।पहली बार ये हुआ कि लाखों की संख्या में वोटर कटे। बंगाल में आखि़री समय में 27 लाख लोगों को तार्किक विसंगति बता कर वोटर लिस्ट से बाहर कर दिया गया । ममता बनर्जी की हार चौंकाने वाली थी ।उससे ज़्यादा अप्रत्याशित था उनकी पूरी पार्टी का ध्वस्त होना। अब अप्रत्याशित की लिस्ट में बीजेपी भी जुड़ गई है। पहले राममंदिर चढ़ावा चोरी का मामला सामने आया । जिसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। बीजेपी और आरएसएस की जड़ें हिल गईं ।फिर एक के बाद एक दो घोटालों के आरोप बीजेपी नेताओं पर लगे। पहले मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और उनके परिवार पर जमीन ख़रीदने के आरोप। फिर केंद्रीय मंत्री भगीरथ चौधरी की खुद अपने मंत्रालय से अपने लिये 99 लाख रूपये सब्सिडी के तौर पर लेने की कहानी अखबार में छप गई । उसके बाद पिछले हफ्ते केंद्र में बेहद शक्तिशाली माने जाने वाले और अमित शाह के करीबी, मंत्री भूपेन्द्र यादव के दफ़्तर में दो वरिष्ठ और मंत्री के नज़दीकी अफसरों की बर्खास्तगी और दो दूसरे अफसरों की

उनके पुराने कैडर में सज़ा के तौर पर वापसी ने सबको चौंका दिया। यानी लगातार ऐसी घटनाएं हुईं जिससे सरकार और बीजेपी की छवि को धक्का लगा है। ये वही सरकार है जिसके नेता ये कहते नहीं अघाते थे कि मोदी सरकर में घोटाले नहीं होते और न ही इस्तीफ़े। सरकार में इस्तीफ़ा तो नहीं हुआ लेकिन ये संदेह पुख्ता हुआ कि ये सब किसी अंदरूनी कलह का परिणाम हो सकता है ? कहीं एक दूसरे को निपटाने का खेल तो नहीं चल रहा है ? कहीं बिग बास कोई बड़ा संदेश तो नहीं दे रहे हैं ? राममंदिर चोरी का प्रश्न तो इतना बड़ा हो गया कि ट्रस्ट के बाहुबली माने जाने वाले चंपत राय को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। या ये कहा जाये कि उनसे इस्तीफा ले लिया गया लेकिन जो नुक़सान होना था वो हो गया। संघ परिवार और बीजेपी पर ऐसे दाग लग गये जिससे छुटकारा मुमकिन नहीं है ।लोग कहने लगे कि दो साल तक जो लोग राममंदिर की सुरक्षा नहीं कर पाये वो हिंदू समाज की सुरक्षा कैसे करेंगे ? इसके बाद दो और चौंकाने वाली घटनाएं हुईं । एक, मध्यप्रदेश के दतिया में बीजेपी के बेहद वरिष्ठ और मज़बूत नेता माने जाने वाले नरोत्तम मिश्रा की विधानसभा के उपचुनाव में दावेदारी को ख़ारिज कर दिया गया और एकदम नये नेता को टिकट दे दिया गया । नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों ने हाइवे जाम कर दिया, पुलिस अधिकारियों की पिटाई कर दी लेकिन पार्टी आलाकमान टस से मस नहीं हुआ ।नरोत्तम को चुप होना पड़ा। ये वो नेता हैं जो कभी प्रदेश में गृहमंत्री थे और मुख्यमंत्री पद के तगड़े दावेदार माने जाते थे। लेकिन पिछला विधानसभा चुनाव हार गए । अब जब उन्हें उपचुनाव में फिर से खड़ा होने का मौक़ा मिल रहा था, और वे पूरी तरह से आश्वस्त थे कि टिकट मिलेगा, तो पत्ता साफ़। नरोत्तम मिश्रा की छंटाई क्या पार्टी के सीनियर नेताओं को को बड़ा संदेश है कि बस्ता समेटो, रिटायरमेंट का समय आ गया है ? इन सभी छह घटनाओं में कहीं न कहीं कोई एक तार जुड़ता है। ये तार ये कहता है कि पार्टी में सब कुशल नहीं है। अंदर खाने बहुत कुछ हो रहा है या कुछ बहुत बड़ा होने जा रहा है ।ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री के मन में कोई बड़ी योजना है। बड़े से बड़े नेताओं को संदेश दिया जा रहा है कि अपने अपने जूतों को कस लो, अपने को बदलो नहीं तो पार्टी बदल देगी ।नरोत्तम मिश्रा का टिकट कटना तो साफ संदेश है कि बड़बोले नेताओं के लिये भविष्य अच्छा नहीं हैं। नरोत्तम का टिकट अगर कट सकता है, तो कोई भी निपटाया जा सकता है। किसी को भी घर बैठाया जा सकता है। बांकीपुर के माध्यम से शीर्ष नेतृत्व ने ये भी संदेश दिया है कि बेहद कम उम्र में पार्टी ने अगर मौक़ा दिया है तो फिर कसौटी पर खरा उतरना पड़ेगा। वैसे तो ये कहना बहुत मुश्किल है कि प्रधानमंत्री क्या सोच रहे हैं। लेकिन खबरें इशारा कर रही हैं कि भूल सुधार कार्यक्रम चलेगा, कुछ ऐसा जो पार्टी को नये साँचे में ढालेगा या ढालने की कोशिश करेगा ? नितिन नवीन की नियुक्ति इसका पहला इशारा था। जब बड़े बड़े नेताओं की दावेदारी को दरकिनार कर बिल्कुल नये अज्ञात नेता को मौक़ा दिया गया। बारह साल किसी भी सरकार या दल में जड़ता लाने के लिये काफी होते हैं। पार्टी के लोग और मंत्री थकने लगते हैं और साथ ही अहंकार भी भर जाता है ।पार्टी जब लंबे समय तक सत्ता में रहती है तो सत्ता को अपने घर की संपत्ति समझना स्वाभाविक है । नेता मनमाना बर्ताव करने लगते हैं। यही वक्त होता है बदलाव का। नरेंद्र मोदी जब से पार्टी के सर्वोच्च नेता बने हैं, पार्टी को झटका देते रहे हैं। बिल्कुल अनजान से लोगों को मुख्यमंत्री बनाना उनका शग़ल है। कई बड़े नेताओं का राजनीतिक कैरियर खत्म हो गया । वसुंधरा राजे सिंधिया जैसी नेता राजनीतिक परिदृश्य से ग़ायब हो गई । संकेत साफ़ है कि छोटे बदलावों से काम नहीं चलेगा ।राममंदिर का दाग आसानी से नहीं छूटेगा । भ्रष्टाचार की खबरें इशारा करती हैं कि समस्या गहरी है। निदान भी गहरा होना होगा। 'जेनरेशनल शिफ़्ट' क्या कोई उपचार है ? क्या दिग्गजों को मार्गदर्शक मंडल में डालने का वक्त आ गया है ? नये विचारों के लिये नये युवा लोगों की आवश्यकता है। पार्टी और सरकार को नया तेवर और नया स्वरूप देने की ज़रूरत है ।हो सकता है प्रधानमंत्री जल्दी ही कोई धमाका करें।

शादी हुई. लेकिन सुहागरात नहीं, गोरखपुर में 4 साल बाद पत्नी ने पति पर लगाए गंभीर आरोप

(यंग भारत न्यूज)

गोरखपुर। प्रदेश में गोरखपुर के गोरखनाथ थाने में एक महिला ने अपने पति समेत कुल 5 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है. महिला का आरोप हैं कि शादी के बाद कभी भी उसके पति ने उसके साथ शारीरिक संबंध नहीं बनाया है.

महिला ने उसका स्पर्म टेस्ट करवाने के लिए डॉक्टर के पास ले गई तो उसने स्पर्म देने से मना कर दिया. महिला का यह भी आरोप है कि पति के दावा करने के नाम पर उसके ससुराल वाले उसे 5 लाख देने का दबाव बनाया गया. वह रुपए देने से मना करती है तो उसे प्रताड़ित किया जाता है. बाद में उसे घर से बाहर निकाल दिया गया. उससे कहा जाता है कि जब 5 लाख रुपए लेकर आओगी तब तुम्हें घर में जगह मिलेगी. दरअसल, महिला की शादी 19 नवंबर 2021 को लखनऊ महानगर के रहने वाले एक युवक से हुई थी. महिला ने बताया कि उसकी शादी में 15 लाख रुपए खर्च हुए थे. महिला का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल में उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा. महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसे जरूरत का समान भी ससुराल में नहीं दिया जाता था. वहीं, महिला ने यह भी बताया कि शादी के बाद से ही पति ने उसके साथ कभी भी शारीरिक संबंध नहीं बनाया. जब इस बारे में वह अपने पति से पूछती थी तो पति दवा चलने का बहाना बनाकर उससे दूरी बना लेता था. महिला ने बताया कि पति के इलाज के लिए उसकी ससुराल वाले उससे 5 लाख रुपए की डिमांड करने लगे. मना किया तो उसे घर से निकाल दिया गया. महिला ने परेशान होकर गोरखनाथ थाने में तहरीर दे कर पति और ससुराल पक्ष के कुल पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है. पुलिस जांच पड़ताल कर रही है. वहीं इस मामले में गोरखनाथ थाना प्रभारी विजय प्रताप सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर पर उसके पति और ससुराल पक्ष के कुल पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है. महिला द्वारा दी गई शिकायच की जांच की जा रही है.

बीवी के चीथड़े उड़ाकर नहाया और खून से सने कपड़े., ऑनलाइन मंगाया था चाकू; बेटे ने बताया मां उर्मिला का कैसे किया बाप ने कत्ल

(यंग भारत न्यूज)

मध्य प्रदेश में हुई उर्मिला सैनी की हत्या के बाद सनसनी फैल गई और बवाल मच गया है. आपकी जानकारी के लिए बता दें कि उर्मिला मध्य प्रदेश के इंदौर में संयोगितागंज पुलिस स्टेशन इलाके के 'डाक कुंज' में पोस्ट ऑफिस की असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट के रूप में कर्येकर्त थी

बता दें कि महिला की बेरहमी से हत्या कर दी गई. जानकारी के मुताबिक घटना के 48 घंटे बाद भी मुख्य संदिग्ध पीड़िता के पति अखिलेश सैनी की गिरफ्तारी नहीं हुई है जिसकी वजह से लोग काफी आक्रोश में हैं और प्रदर्शन भी कर रहे हैं. आपकी जानकारी के लिए बता दें कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी और उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई. परिवार वालों का कहना है कि जब तक आरोपी गिरफ्तार नहीं हो जाता, तब तक उन्हें न्याय मिलने की उम्मीद पूरी नहीं होगी. विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में रिश्तेदार और परिचित मौजूद थे, जिन्होंने पुलिस से जांच में तेज़ी लाने की अपील की. ? ?अपराध करने के बाद, आरोपी पति नहाया और खून से सने अपने कपड़े नाली में बहा दिए. पीड़िता की बेटी, प्रेक्षा सैनी ने अपने पिता पर गंभीर आरोप लगाए. उसने बताया कि उसके पिता लंबे समय से उसकी माँ को मानसिक रूप से परेशान कर रहे थे और उन पर बेबुनियाद शक करते थे. इस बात को लेकर परिवार में अक्सर झगड़े होते थे. प्रेक्षा का कहना है कि जिस बेरहमी से उसकी माँ की हत्या की गई, उसके लिए उसके पिता को कड़ी से कड़ी सज़ा मिलनी चाहिए. उसने यह भी दावा किया कि हत्या पहले से सोची-समझी साज़िश थी और आरोपी ने इसके लिए ऑनलाइन चाकू मंगवाए थे.

'बीवी मेरी आईएएस है...', सुहागरात से पहले खुशी में झूम रहा था दूल्हा, सुबह नींद खुलने तक हो चुका था कांड

(यंग भारत न्यूज)

बरेली। प्रदेश के बरेली जिले में एक फर्जी आईएएस ऑफिसर दुल्हन का बड़ा कारनामा सामने आया है. हाई प्रोफाइल इस लड़की ने सोशल मीडिया पर खुद की आईएएस ऑफिसर की प्रोफाइल बनाई और इसके बाद लड़कों को अपने प्रेम जाल में फांस लेती.

इसके बाद फिर शादी के बाद सुहागरात के दिन सारा माल, जेवर समेटकर फरार हो जाती थी. आरोप है कि लड़की ने अपने परिजनों के साथ मिलकर बरेली के फरीदपुर थाना इलाके में शादी की. दूल्हा समेत उसके परिजन आईएएस दुल्हन मिलने पर बेहद खुश थे, लेकिन आरोप है कि लड़की सुहागरात वाले दिन ही एक करोड़ रुपए से ज्यादा का माल, जेवर समेटकर फरार हो गई. पुलिस ने दूल्हा की शिकायत पर आरोपी दुल्हन और उसके परिजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और अब आरोपी दुल्हन को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस का दावा है कि इस धोखेबाज लड़की के बाकी परिजनों को भी जल्दी ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा. दरअसल बरेली के थाना फरीदपुर पुलिस की गिरफ्त में खड़ी फर्जी आईएएस दुल्हन साधना बदायूं जिला की रहने वाली है. आरोप है कि पढ़ी-लिखी साधना ने खुद को आईएएस अधिकारी बताते हुए अपना सोशल मीडिया पर अकाउंट बनाया और महत्वाकांक्षी लड़कों को अपने प्रेम जाल में फांसकर ठगी की वारदात को अंजाम देने लगी. आरोप है कि इस फर्जी आईएएस दुल्हन ने बरेली के थाना फरीदपुर के पचौमी गांव के रहने वाले अभिषेक को भी अपने प्रेम जाल में फांस लिया और फिर परिजनों के साथ मिलकर शादी तय कर दी गई. अभिषेक के परिजन और दूल्हा अभिषेक आईएएस दुल्हन मिलने पर बेहद खुश थे. आरोप है कि साधना विदा होकर जब घर आई, तो परिजनों ने बड़ी तादात में अपनी दुल्हन साधना को सोने-चांदी और हीरे के जेवरात गिफ्ट किये, लेकिन सुहागरात वाले दिन पति जब सो गया, तो साधना सारा माल जेवर समेटकर फरार हो गई. बाद में पुलिस ने दूल्हा अभिषेक की शिकायत पर साधना और उसके पिता समेत 4 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया

और फिर साधना समेत सभी आरोपियों की तलाश शुरू कर दी. पुलिस ने फर्जी आईएएस अधिकारी दुल्हन साधना और बाकी आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की तीन टीमों को लगाया. कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अब फर्जी आईएएस अधिकारी साधना को गिरफ्तार कर लिया है. फिलहाल पुलिस अब फर्जी आईएएस अधिकारी बनी दुल्हन को जेल भेजने की तैयारी कर रही है.

पत्नी और देवर का खूनी इश्क! जंगल में रंगे हाथ पकड़ने पर पति की हत्या; शव पेड़ से लटकाकर बनाया आत्महत्या का सीन

(यंग भारत न्यूज)

झारखंड के गढ़वा जिले में चीना थाना क्षेत्र स्थित पाल्हे गांव के पथरपनिया जंगल से बरामद शव के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. महज 48 घंटे के अंदर पुलिस ने इस कुख्यात मामले को सुलझा लिया है.इस मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी और उसके छोटे भाई को गिरफ्तार किया है. इस घटना ने पति-पत्नी के पवित्र रिश्ते को फिर से कंलकित किया है. ऐसे में चलिए विस्तार से जानें पूरी खबर. ष्ठस्क्करोहित रंजन सिंह ने सोमवार को चीना थाना परिसर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मामले की जानकारी दी. ष्ठस्क्कने बताया कि गोला कोरवा का शव 11 जुलाई को पाल्हे गांव के जंगल से बरामद हुआ था. पहली नजर में मामला आत्महत्या का लग रहा था, लेकिन मृतक के परिवार ने हत्या का शक जताते हुए शिकायत दर्ज कराई थी. जांच के दौरान पुलिस ने मृतक के भाई नारायण कोरवा को हिरासत में लेकर पूछताछ की.पूछताछ के दौरान उसने अपने बड़े भाई की पत्नी के साथ अवैध संबंध होने की बात कबूल की.घटना वाले दिन गोला कोरवा ने उन्हें जंगल में आपत्तिजनक हालत में देख लिया था. इसके बाद उन्होंने उसकी हत्या कर दी और इसे आत्महत्या जैसा दिखाने के लिए उसकी बॉडी को पेड़ से लटका दिया.जांच के दौरान, पुलिस ने मृतक की पत्नी को भी गिरफ्तार किया. पूछताछ के दौरान, उसने भी हत्या में शामिल होने की बात कबूल कर ली. इसके बाद, पुलिस ने कानूनी कार्रवाई के तहत दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया. मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई चल रही है. ष्ठस्क्करोहित रंजन सिंह ने कहा कि पुलिस ने साइंटिफिक तरीके से सबूत इकट्ठा करके बहुत कम समय में हत्या की गुत्थी सुलझा ली.

प्राइमरी से शुरू होगी सेक्स एजुकेशन, हफ्ते में 2 दिन चलेगी 20 मिनट की क्लास

(यंग भारत न्यूज)

ज्यादातर भारतीय आज भी सेक्स एजुकेशन यानी यौन शिक्षा पर खुलकर बात करने से कतराते हैं. इसे बंद कमरे का विषय माना जाता है. लेकिन अब वक्त के साथ सोच बदलने की बारी आ गई है. केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अहम जानकारी देते हुए बताया कि देशभर के स्कूलों में जल्द ही सेक्स एजुकेशन शुरू करने की तैयारी चल रही है. सरकार को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी का इंतजार है. मंजूरी मिलते ही इसे पूरे देश के स्कूलों में लागू कर दिया जाएगा.

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई के दौरान किशोरों (16 से 18 साल के बच्चों) के आपसी सहमति वाले प्रेम संबंधों और उसमें पॉक्सो कानून के गलत इस्तेमाल पर चिंता जताई थी. अक्सर देखने में आता है कि नासमझी में किशोर घर छोड़ देते हैं और माता-पिता झूठी शान के चक्कर में आपराधिक मुकदमे दर्ज करा देते हैं. इसी समस्या के समाधान और बच्चों को जागरूक बनाने के लिए स्कूलों के सिलेबस में इस जरूरी विषय को जोड़ने की तैयारी की जा रही है. केंद्र सरकार की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और आर. महादेवन की बेंच के सामने यह बात रखी. कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि कई मामलों में 16 से 18 वर्ष की उम्र के किशोर आपस में संबंध बनाकर घर छोड़ देते हैं. इसके बाद उनके माता-पिता झूठे सम्मान के नाम पर पॉक्सो कानून के तहत गंभीर आपराधिक मामले दर्ज करा देते हैं. इससे बच्चों का भविष्य खराब होता है. इसी गंभीर चिंता को देखते हुए सरकार ने इस समस्या की जड़ पर काम करने का फैसला किया है. आपसी सहमति से संबंध बनाने वाले किशोरों की निजता और पॉक्सो एक्ट के पेचीदा मामलों की जांच के लिए सरकार ने विशेष पैनल बनाया था. महिला और बाल विकास मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेटरी की अगुवाई में बने 26 सदस्यों के पैनल ने गहन विचार-विमर्श के बाद रिपोर्ट तैयार की. इस पैनल ने सिफारिश की है कि बच्चों को जागरूक करने के लिए स्कूलों के सिलेबस में 'व्यापक यौन शिक्षा'और 'यौन शोषण से बचाव' जैसे गंभीर विषय शामिल किए जाने चाहिए. पैनल की सिफारिशों के मुताबिक, इस नए सिलेबस को तैयार करने की जिम्मेदारी एनसीआरटी को सौंपी जाएगी. यह पूरी योजना नई शिक्षा नीति (ह्रश्वक्क 2020) के नियमों के हिसाब से ही लागू की जाएगी. सबसे खास बात है कि यह शिक्षा केवल बड़े बच्चों के लिए नहीं होगी. रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि प्राइमरी स्कूल के स्तर से ही बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से ये बातें सिखाई जाएं. इसके लिए स्कूलों में बकायदा एक्सपर्ट टीचर्स की नियुक्ति करने की बात भी कही गई है. स्कूलों में हर हफ्ते कम से कम दो बार सेक्स एजुकेशन की क्लास होनी चाहिए. इस क्लास का समय 20 मिनट तय किया गया है, जिससे बच्चे बिना किसी मानसिक दबाव के सहजता से सीख सकें. इस पहल का असल मकसद बच्चों को 'गुड टच और बैड टच' के साथ-साथ उम्र के साथ शरीर में होने वाले बदलावों के प्रति जागरूक करना है. बच्चों को सही उम्र में सही जानकारी मिलेगी तो वे यौन शोषण से खुद को बचा सकेंगे. साथ ही नासमझी में होने वाले कानूनी विवादों और पॉक्सो के दुरुपयोग पर भी रोक लगेगी.

2027 यूपी चुनाव में बीएसपी का 'द एण्ड' करेगी बीजेपी, मायावती की बची-खुची ताकत खत्म होने की वजह बन सकते हैं उनके गुरु

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 अभी दूर हैं, लेकिन सियासी हलचल तेज हो गई है. चर्चा है कि केंद्र सरकार यूपी चुनाव में बीजेपी हैट्रिक लगाने के लिए बड़ा दांव खेलने की तैयारी में है.लखनऊ के राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि बसपा संस्थापक और दलित आंदोलन के बड़े नेता कांशीराम को मरणोपरांत भारत रत्न देने पर विचार कर सकती है. अगर ऐसा होता है तो इसका सीधा असर दलित राजनीति, खासकर जाटव वोट बैंक पर पड़ सकता है. यही वजह है कि इस मुद्दे पर राजनीतिक गलियारों में लगातार चर्चा हो रही है.

लोकसभा चुनाव 2024 में बीजेपी को उत्तर प्रदेश में बड़ा नुकसान उठाना पड़ा था. पार्टी 62 सांसदों से घटकर 33 सीटों पर सिमट गई. वहीं, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन ने 43 (सपा 37 और कांग्रेस 6) सीटें जीत लीं. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जाटव वोटों का एक हिस्सा सपा-कांग्रेस गठबंधन की ओर गया. इसे बीजेपी के लिए बड़ा संकेत माना गया.कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग लंबे समय से उठती रही है. बसपा प्रमुख मायावती कई बार अपने राजनीतिक गुरु को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान देने की मांग कर चुकी हैं. हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर यही मांग दोहराई थी.

समाजवादी पार्टी भी समय-समय पर इस प्रस्ताव का समर्थन करती रही है. राजनीतिक विशेषज्ञों की राय इस मुद्दे पर अलग-अलग है. कुछ का मानना है कि कांशीराम को भारत रत्न मिलने से बीजेपी दलित समाज के बीच सकारात्मक संदेश देने की कोशिश कर सकती है. लखनऊ में चर्चा है कि अगर बीजेपी का यह दांव 2027 के यूपी चुनाव में चल गया तो यह कहीं नहीं मायावती की बीएसपी के लिए किसी डेथ वारंट से कम नहीं होगा. दरअसल, 2014 के बाद मायावती से लगातार दलित वोटबैंक दूर हटता जा रहा है.2024 के लोकसभा चुनाव में यह आंकड़ा घटकर 12 फीसदी के आसपास रह गया है. माना जाता है कि गैर जाटव दलित करीब-करीब बीएसपी से कट चुके हैं. ऐसे में अगर बीजेपी का यह दांव चला तो मायावती से जाटव वोटबैंक के भी दूर होने का खतरा बन जाएगा. ऐसी स्थिति में बीएसपी का राजनीतिक प्रदर्शन किस हद तक गिरेगा यह देखने वाली बात होगी. क्योंकि दूसरी तरफ आजाद समाज पार्टी के मुखिया और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद पहले ही बीएसपी के कमजोर होने से खाली हुए स्पेस को भरने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं.हालांकि, जानकारों का एक पक्ष यह भी कहते हैं कि इससे जाटव वोट सीधे बीजेपी की ओर लौट आएंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं है. उल्टा, यदि मायावती 2027 में पूरी ताकत से चुनाव लड़ती हैं तो उन्हें इसका राजनीतिक लाभ भी मिल सकता है. कांशीराम ने 1984 में बहुजन समाज पार्टी की स्थापना की थी. उन्होंने दलित, पिछड़े, आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदायों को राजनीतिक रूप से संगठित करने का अभियान चलाया. उन्हें आधुनिक भारत में दलित राजनीति का सबसे प्रभावशाली चेहरों में गिना जाता है. सामाजिक और राजनीतिक सशक्तिकरण की उनकी सोच ने उत्तर प्रदेश की राजनीति को नई दिशा दी. याद करा दें कि 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने पांच लोगों (कर्पूरी ठाकुर, पीवी नरसिम्हा राव, चौधरी चरण सिंह, डॉ. एमएस स्वामीनाथन और लालकृष्ण आडवाणी) को भारत रत्न से सम्मानित किया गया था. इन पांच नामों में चार नाम सबसे ज्यादा चर्चा में रहे थे. समाजवादी कर्पूरी ठाकुर को यह सम्मान दिए जाने के बाद नीतीश कुमार एक बार फिर से एनडीए के साथ आने को तैयार हुए थे. वहीं जो जयंत चौधरी बीजेपी में जाने के सवाल पर हत्थे से उखड़ जाते थे, वह अपने दादा को यह सम्मान दिए जाने के बाद एनडीए में आ गए.

वहीं किसान आंदोलन की वजह से सरकार की खराब हुई छवि को सुधारने के रूप में एमएस स्वामीनाथन को देखा गया. वहीं कांग्रेस पार्टी के नेता रहने के बावजूद वहां उचित सम्मान नहीं पाने वाले पूर्व पीएम पीवी नरसिम्हा राव को भी भारत रत्न से सम्मानित किया गया. इसे आंध्र प्रदेश में बीजेपी के विस्तार के प्रयास को बल मिलने से भी जोड़कर देखा गया.

चार दिग्गज टीमें, चार सुपरस्टार, सेमीफाइनल में होगा हाई-वोल्टेज मुकाबला

अटलांटा

फ्रांस जब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में स्पेन का सामना करेगा तो दिग्गज खिलाड़ी किलियन एमबाप्पे और युवा स्ट्राइकर लामिन यामल के बीच रोचक जंग देखने को मिल सकती है। इसी तरह से अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल में दो अनुभवी खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी और हैरी केन आमने-सामने होंगे।

इस बार के सेमीफाइनल मैच कुछ मामलों में अनूठे हैं। चार पूर्व चैंपियन और दुनिया की चार शीर्ष रैंकिंग वाली टीमें अंतिम चार में पहुंची हैं। सर्वाधिक गोल करने वाले छह खिलाड़ियों में से पांच मैदान पर दिखाई देंगे। एक सर्वकालिक महान खिलाड़ी (मेस्सी) आकर्षण का केंद्र होगा। इसके अलावा फुटबॉल की सबसे कड़वी प्रतिद्वंद्विताओं में से एक भी सेमीफाइनल में देखने को मिलेगी।

आज फ्रांस और स्पेन और कल इंग्लैंड बनाम अर्जेंटीना में भिड़ंत

फ्रांस मंगलवार को टेक्सास के अर्लिंगटन में स्पेन से भिड़ेगा और इंग्लैंड बुधवार को अटलांटा में अर्जेंटीना का सामना करेगा। ऐसा 1990 के बाद से पहली बार हुआ है कि विश्व कप के अंतिम चार में सभी टीमें पूर्व चैंपियन हों। अगर फ्रांस और अर्जेंटीना दोनों ही फाइनल में पहुंचते हैं, तो इस साल 2022 के फाइनल की पुनरावृत्ति भी हो सकती है।

फ्रांस बनाम स्पेन

फ्रांस और स्पेन किसी बड़ी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में फिर से आमने-सामने होंगे। यह दोनों टीम दो साल पहले यूरोपीय चैंपियनशिप में एक दूसरे से भिड़ी थी। स्पेन ने उस मैच में 2-1 से जीत हासिल की थी। उस मैच में यामल ने गोल किया था, जो तब 16 वर्ष के थे। स्पेन ने फाइनल में इंग्लैंड को हराकर यूरो कप का खिताब अपने नाम किया। फ्रांस को मौजूदा विश्व कप की सबसे प्रभावशाली टीम माना जा रहा है, जिसकी अग्रिम पंक्ति में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। उसकी निगाह हालांकि एमबाप्पे पर टिकी रहेगी, जिन्होंने अभी तक टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से सर्वाधिक गोल किए हैं। स्पेन को टूर्नामेंट में आने से पहले कामल और स्टार विंगर निको विलियम्स की चोटों से जूझना पड़ा। स्पेन को पिछले दो दौर में पुर्तगाल और बेल्जियम को हराने के लिए स्थानापन्न खिलाड़ी मिकेल मेरिनो के अंतिम क्षणों में किए गए गोल पर निर्भर रहना पड़ा। विश्व कप या यूरो कप में ये दोनों देश कई बार आमने-सामने आ चुके हैं।

इंग्लैंड बनाम अर्जेंटीना

अर्जेंटीना और इंग्लैंड की प्रतिद्वंद्विता जगजाहिर है। इस प्रतिद्वंद्विता में फुटबॉल के मैदान से इतर 1982 में फॉकलैंड द्वीप समूह पर हुए संघर्ष से जुड़ा तनाव भी शामिल है। विश्व कप में इन दोनों टीमों के बीच कई बार तनाव के क्षण आए हैं। विश्व कप 1966 में इंग्लैंड के खिलाफ तनावपूर्ण क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना के कप्तान एंटोनियो रैटिन को मैदान से बाहर भेज दिया गया था। विश्व कप 1986 में दिएगो माराडोना के कुख्यात 'हैंड ऑफ गॉड' गोल से अर्जेंटीना को क्वार्टरफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाने में मदद की, जिसके बाद अर्जेंटीना ने ट्रॉफी जीती। मेस्सी पर सबकी नजर रहेगी, जो संभवत: अपना आखिरी विश्व कप खेल रहे हैं। यह विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ उनका पहला मैच होगा। अगर मेस्सी अर्जेंटीना को खिताब दिला देते हैं, तो वह अपने देश के लिए दो विश्व कप जीतकर महान माराडोना को पीछे छोड़ देंगे। इससे अर्जेंटीना 1958 और 1962 में ब्राजील के बाद लगातार दो बार चैंपियन बनने वाला पहला देश भी बन जाएगा।

महिला टेस्ट क्रिकेट में भारत ने इंग्लैंड को 270 रन से हराया

हरमन स्क्वॉड ने लॉर्ड्स में रचा इतिहास इंग्लिश टीम को घर में दी करारी शिकस्त

ऑफ स्पिनर स्नेह राणा के 4 विकेट की बदौलत भारत ने प्रतिष्ठित लॉर्ड्स मैदान पर खेले गए पहले महिला क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे और अंतिम दिन इंग्लैंड को 270 रन से हरा दिया।

लंदन

भारत को एकमात्र टेस्ट के अंतिम दिन जीत के लिए 4 विकेट की दरकार थी और स्नेह (42 रन पर 4 विकेट) की अगुआई में मेहमान टीम ने इंग्लैंड को 62.5 ओवर में 186 रन पर समेटकर मुकाबला अपने नाम किया। सयाली सतघरे (24 रन पर 2 विकेट), दीप्ति शर्मा (36 रन पर 2 विकेट) और क्रांति गौड़ (54 रन पर 2 विकेट) ने भी दो-दो विकेट हासिल किए। विकेटकीपर बल्लेबाज एमी जोन्स 80 गेंद में 54 रन बनाकर इंग्लैंड की ओर से शीर्ष स्कोरर रही जबकि अंतिम बल्लेबाज के तौर पर आउट होने वाली सोफी एक्लेस्टोन ने 50 रन की पारी खेली।

भारतीय गेंदबाज रहीं हावी

इंग्लैंड ने अंतिम दिन की शुरुआत 6 विकेट पर 130 रन से आगे खेलते हुए की और 90 मिनट से अधिक बल्लेबाजी की लेकिन आखिरकार भारतीय गेंदबाजों के सामने घुटने टेक दिए। भारत ने मेजबान टीम के सामने 457 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था। एमी अंतिम दिन आउट होने वाली पहली बल्लेबाज रहीं। उन्हें स्नेह ने मिडविकेट पर शेफाली वर्मा के हाथों कैच कराया। क्रांति की गेंद पर दो जीवनदान पाने वाली एक्लेस्टोन ने इजी वोंग (33 गेंद में एक रन) के साथ मिलकर भारत के जीत के इंतजार को बढ़ाया लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सकीं। दीप्ति ने वोंग और लॉरेन बेल (00) को बोल्ड करके भारत को जीत की दहलीज पर पहुंचाया।

रेड बॉल क्रिकेट में महिलाओं का दबदबा

रेड-बॉल क्रिकेट में भारत का दबदबा कायम है। जीत का यह पल पिछले कुछ दिनों में भारत के शानदार प्रदर्शन को दर्शाता है। पिछले 11 टेस्ट मैचों में टीम ने सात जीत हासिल की हैं, तीन मैच ड्रॉ रहे हैं और सिर्फ एक में हार मिली है। इंग्लैंड में भारतीय महिला टीम का यह 11वां टेस्ट मैच था। वह इंग्लैंड में इस फॉर्मेट में अब भी अजेय है।

यास्तिका और क्रांति का नाम ऑनर बोर्ड पर दर्ज

भारत के लिए इस मैच में यास्तिका भाटिया ने शतक लगाया और क्रांति गौड़ ने पांच विकेट लेकर अपना नाम ऑनर बोर्ड पर दर्ज करवाया। दोनों महिला क्रिकेट में यहां ऑनर बोर्ड पर नाम दर्ज करवाने वाली पहली महिला क्रिकेटर्स हैं। मैच में यास्तिका भाटिया दूसरी पारी में 113 रन बनाकर स्टार बनीं, स्मृति मंधाना 153 रन (83,70) बनाकर इस मैच की टॉप स्कोरर रहीं।

तेंदुलकर और जय शाह रहे स्टेडियम में मौजूद

दिन का खेल शुरू होने से पहले भारतीय टीम को महान सचिन तेंदुलकर से प्रेरणादायक बातें सुनने को मिलीं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के चेयरमैन जय शाह भी तेंदुलकर के साथ स्टैंड से मैच देख रहे थे और बाद में उन्होंने खिलाड़ियों से हाथ मिलाया। यह इंग्लैंड की अनुभवी खिलाड़ियों टैमी ब्यूमोंट और पूर्व कप्तान हीथर नाइट का विदाई मैच भी था।

क्रिकेट

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए गिल नामित

दुबई

भारतीय कप्तान शुभमन गिल के साथ बांग्लादेशी ऑलराउंडर मोसद्देक हुसैन और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ को जून महीने के 'आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है। शुभमन गिल अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की घरेलू सीरीज के दौरान जबरदस्त फॉर्म में थे और उन्होंने टेस्ट और वनडे दोनों फॉर्मेट में टीम की अगुवाई की।

इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने महीने की शुरुआत न्यू चंडीगढ़ में खेले गए एकमात्र टेस्ट में भारत की पारी से जीत के दौरान शानदार 126 रन बनाकर की थी, जो उनके टेस्ट करियर की 11वीं सेंचुरी थी। गिल ने अपनी शानदार फॉर्म को वनडे सीरीज में भी जारी रखा, जहां उन्होंने सिर्फ दो पारियों में 238 रन बनाए। धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे में नाबाद 84 रन बनाने के बाद, गिल ने लखनऊ में 154 रन जड़े थे।

बांग्लादेश के मोसादेक हुसैन की शानदार वापसी

दूसरी तरफ, बांग्लादेश के मोसद्देक हुसैन ने चार साल के अंतराल के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में शानदार वापसी की। इस ऑलराउंडर को ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध बांग्लादेश की ऐतिहासिक 2-1 से वनडे सीरीज जीत में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया था। हुसैन ने पहले मैच में नाबाद 86 रन बनाने के साथ दो विकेट हासिल किए थे। वह सीरीज में 157 रनों के साथ अपनी टीम के टॉप स्कोरर रहे। वहीं, स्मिथ को इंग्लैंड में यादगार 2-1 से टेस्ट सीरीज जीत दिलाने के लिए न्यूजीलैंड के कमजोर पेस बॉलिंग अटैक की अगुवाई करने का इनाम मिला। स्मिथ ने सीरीज में सर्वाधिक 16 विकेट लिए। इस दौरान लॉर्ड्स में 70 रन देकर 6 विकेट चटकाए। वह 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुने गए थे।

खबर संक्षेप

14 अगस्त से यूपीटी20 रैना ब्रांड एंबेसडर

कानपुर। कानपुर और लखनऊ में होने वाले यूपी टी20 लीग का चौथा सत्र 14 अगस्त से शुरू होगा, जिसमें कुल 34 मैच खेले जाएंगे।

आयोजकों ने घोषणा की कि 24 दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 13 दिन दो-दो मैच खेले जाएंगे। लीग में छह फ्रेंचाइजी टीम भाग लेंगी। इसके लिए मिनी नीलामी 24 जुलाई को आगरा में की जाएगी। टूर्नामेंट का पहला चरण लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद के मैच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेले जाएंगे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना यूपीटी20 लीग के ब्रांड एंबेसडर बने रहेंगे।

एवियन चैंपियनशिप : संयुक्त 56वें स्थान पर अदिति

एवियन ले बैंस। गोल्फर अदिति अशोक अंतिम दौर में तीन ओवर 74 के लचर प्रदर्शन के साथ 2026 अमुंडी एवियन चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से 56वें स्थान पर रहीं।

दक्षिण कोरिया की ह्यु रेन र्यू ने पहले पांच अंडर में बर्डी पट के साथ लगातार दूसरा मेजर खिताब अपने नाम किया। शुरुआती तीन दौर में 70, 70 और 69 के स्कोर के साथ अदिति के पास अच्छा नतीजा हासिल करने का मौका था लेकिन वह अंतिम होल में पांच बोगी और दो बर्डी से तीन ओवर का स्कोर ही बना पाईं।

आज से जापान ओपन, सात्विक-चिराग पर नजरें

टोक्यो

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी चोट से उबरने के बाद मंगलवार 14 जुलाई से शुरू होने वाले जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की अगुवाई करेगी। पिछले महीने सात्विक की कंधे की चोट के बढ़ जाने के बाद यह तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी इंडोनेशिया ओपन से हट गई थी। सात्विक और चिराग अब सिंगापुर ओपन का खिताब जीतने के बाद वहीं से शुरुआत करने के लिए तैयार होंगे। पहले दौर में उनका मुकाबला डेनमार्क के डेनियल लुंडगार्ड और मैड्स वेस्टरगार्ड से होगा।

भारत का दारोमदार लक्ष्य, सिंधु-आयुष पर

एकल में भारत का दारोमदार एक बार फिर लक्ष्य सेन, पीवी सिंधु और आयुष शेट्टी पर टिका होगा। इस साल की शुरुआत में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य जापान के कोडाई नाराओका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। आयुष को अपने पहले मुकाबले में थाईलैंड के दूसरी वरीयता प्राप्त और पूर्व विश्व चैंपियन कुनलावत विटिडसर्न के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

सिंधु मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से भिड़ेंगी

सिंधु महिला एकल में मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से भिड़ेंगी, जबकि उन्नति हुड्डा अपने पहले मैच में चीनी ताइपे की हुआंग यु-हसुन का सामना करेंगी। हरिहरन अमसाकरुणन और एम आर अर्जुन पुरुष युगल के पहले दौर में चीनी ताइपे के ली झे-हुई और यांग पो-स्युआन का सामना करेंगे। ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो तथा रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गड्डे की मिश्रित युगल जोड़ियां भी इस टूर्नामेंट में अपना भाग्य आजमाएंगी।

अंडर-19 और अंडर-23 बॉक्सिंग प्रतियोगिता : आठ महिला मुक्केबाज फाइनल में, इनमें तीन हरियाणा की

इंडोनेशिया में भारतीय मुक्कों का दबदबा

रोहतक

इंडोनेशिया में आयोजित की जा रही अंडर-19 और अंडर-23 बॉक्सिंग प्रतियोगिता के फाइनल में भारत की महिला मुक्केबाजों ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए प्रवेश कर लिया है। सेमीफाइनल मुकाबलों में भारतीय मुक्केबाजों का पूरी तरह से दबदबा देखने को मिला, जिसमें देश की आठ महिला बॉक्सर्स ने अपने-अपने भार वर्ग में विरोधी खिलाड़ियों को एकतरफा मात दी। इस शानदार सफलता में हरियाणा की तीन बेटियों ने रिंग में अपना जबरदस्त दमखम दिखाया। मुकाबले के विवरण के अनुसार, 51 किलोग्राम भार वर्ग में भारत की चंचिता भैरेशी पुजारी ने जापान की रीको मात्सुशिता को 5-0 के अंतर से करारी शिकस्त दी। वहीं, 54 किलोग्राम वर्ग में उरवशी देवी थिरोम ने भी जापानी मुक्केबाज रुका कुरो को 5-0 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। 57 किलोग्राम भार वर्ग में प्राची ने किर्गिस्तान की नूरशेरी माकेलोवा पर 5-0 से एकतरफा जीत दर्ज की। हरियाणा की होनहार मुक्केबाज प्राची ने 60 किलोग्राम भार वर्ग में ताइपे की पेइ-यु हसाई को 5-0 से मात देकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। इसके अलावा, 75 किलोग्राम वर्ग में हरियाणा की ही अंशिका ने ताइपे की आन-ची त्सेंग के खिलाफ बेहद आक्रामक शुरुआत की और पहले ही राउंड में रेफरी स्टॉप्स कॉन्टेस्ट (आरएससी) के जरिए मुकाबला अपने नाम कर लिया। 80 किलोग्राम भार वर्ग में हरियाणा की मेघा प्रियंका के पंचों के आगे विपक्षी की भी नहीं चल सकी और मुकाबला बीच में ही छोड़ दिया, जिससे मेघा सीधे फाइनल में पहुंच गईं। वहीं, 80+ किलोग्राम से अधिक के हैवीवेट वर्ग में प्राची टोकस ने ताइपे की सु-स्यान वांग को पहले ही राउंड में बाहर का रास्ता दिखाया।

देश-प्रदेश के लिए गौरवशाली क्षण : मेजर सत्यपाल सिंधु

हरियाणा बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधु ने कहा कि यह देश और प्रदेश के लिए अत्यंत गौरवशाली क्षण है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारे खिलाड़ियों ने जिस तकनीक और आक्रामकता के साथ रिंग में प्रदर्शन किया है, वह उनकी कड़ी मेहनत और कोचों की सटीक रणनीति को दर्शाता है। उन्होंने विशेष रूप से हरियाणा की तीनों मुक्केबाजों की तारीफ करते हुए कहा कि अंशिका का पहले ही राउंड में विपक्षी को नॉकआउट जैसी स्थिति में लाना और मेघा के दबाव में विरोधी खिलाड़ी का रिंग छोड़ देना यह साबित करता है कि हमारी बॉक्सिंग का स्तर वैश्विक पटल पर कितना ऊंचा हो चुका है।

दोनों दिग्गज 50 ओवर के फॉर्मेट में टीम की सबसे बड़ी ताकत, जसप्रीत बुमराह की भी टीम में वापसी

मायूसी के बाद वनडे में रोहित-कोहली पर टिकी करोड़ों उम्मीदें

बर्मिंघम

दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली और रोहित शर्मा को इंग्लैंड के खिलाफ मंगलवार 14 जुलाई से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में न केवल खुद के लिए अच्छा प्रदर्शन करना होगा, बल्कि टी20 में लगातार हार से आहत भारतीय टीम के मनोबल को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। कोहली, रोहित और जसप्रीत बुमराह उस प्रारूप में खेलने के लिए वापसी कर रहे हैं जिसमें द्विपक्षीय मैचों का महत्व और चमक टी20 क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के चलते खोती जा रही है लेकिन 39 वर्षीय रोहित और जल्द ही 38 वर्ष के होने वाले कोहली में अब भी जोश और जुनून बरकरार है। वह अब भी वनडे की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं और उनका लक्ष्य अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप तक टीम में बने रहना है।

भारत के पास अनुभवी बल्लेबाजों की चौकड़ी

कप्तान शुभमन गिल की वापसी और अनुभवी केएल राहुल की मौजूदगी से भारत के पास अनुभवी बल्लेबाजों की एक दमदार चौकड़ी है, जो किसी भी मैच का रुख पलट सकती है। अगर श्रेयस अय्यर को भी इसमें शामिल कर लिया जाए, तो बल्लेबाजी इकाई को लेकर ज्यादा चिंता की कोई बात नहीं होनी चाहिए।

बुमराह की वापसी से मिलेगी मजबूती

गेंदबाजी इकाई के लिए ऐसा कहा जा सकता है, जिसे बुमराह की वापसी से मजबूती मिलेगी। भारत के नए तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को इंग्लैंड की पिचों पर अपनी लेंथ को लेकर बिल्कुल अलग चुनौती का सामना करना पड़ेगा। अर्शदीप सिंह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के रूप में निश्चित रूप से टीम को एक नया आयाम देंगे, जबकि शिवम दुबे जैसे तेज गेंदबाज होंगे।

टीमें इस प्रकार

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव।

इंग्लैंड: हैरी ब्रूक (कप्तान), बेन डकेट, जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंटन, जो रूट, जैकब बेथेल, विल जैक्स, रेहान अहमद, लियाम डॉसन, जेमी ओवरटन, सैम कुरेन, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, जोश टंग, साकिब महमूद, आदिल राशिद।

मैच शुरू होने का समय: दोपहर 3:30 बजे

महिलाओं के पास घर-परिवार की एक नहीं कई तरह की जिम्मेदारियां होती हैं। परिवार के छोटे-बड़े सभी उन्हीं पर निर्भर रहते हैं, सबका ध्यान रखना होता है। इतना ही नहीं, घर की पूरी व्यवस्था भी उन्हें ही संभालनी होती है। इतनी सारी जिम्मेदारियों के बीच महिलाएं अपना ध्यान नहीं रख पातीं, जो उनके मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। ऐसे में महिलाएं होममेकर के साथ सेल्फमेकर भी बनें। वे दूसरों के साथ अपनी भी केयर करें, मी टाइम जरूर निकालें।

होममेकर के साथ-साथ सेल्फमेकर भी बनें

कवर स्टोरी
प्रतिभा अग्निहोत्री

हमारे समाज में घर-परिवार की नींव महिलाओं के त्याग, मेहनत और प्यार पर टिकी होती है। घर की महिला सुबह तड़के उठने से लेकर रात सोने तक अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य की जरूरतों को पूरा करने में लगी रहती है। बच्चों की देखभाल, परिवार के हर सदस्य की पसंद-नापसंद का ध्यान रखना, घर की व्यवस्था, बुजुर्गों की देखभाल, पूरे दिन वह अपनी जिम्मेदारियां निभाती है। यही वजह है कि महिलाओं को घर की 'होममेकर' कहा जाता है, क्योंकि पूरे परिवार की धुरी वही होती है। परिवार का हर सदस्य उनके ऊपर निर्भर रहता है। सवाल यह है कि क्या केवल परिवार की देखभाल करना ही एक महिला की पहचान है? क्या उसका अपना कोई अस्तित्व नहीं है? हर महिला का भी अपना एक आत्मसम्मान है, इसे उन्हें बनाए रखना चाहिए। इसके लिए महिलाओं को स्वयं हर संभव प्रयास करना होगा, पूरी तरह से जागरूक भी रहना पड़ेगा।

खुद को पैंपर करें: आज समय की मांग है, महिलाएं 'होममेकर' के साथ-साथ 'सेल्फमेकर' भी बनें। इसका अर्थ यह नहीं कि वे अपनी जिम्मेदारियों से दूर हो जाएं। वे घर-परिवार की जिम्मेदारियों को पूरा करने के साथ अपने लिए भी कुछ समय निकालें, अपनी खुशियों को महत्व दें, सेल्फकेयर करना सीखें, दूसरों के साथ-साथ खुद को भी पैंपर करें, अपने अस्तित्व और पहचान के लिए जागरूक रहें। इसके लिए मोटिवेशनल और पर्सनालिटी ग्रूम करने वाली बुक्स पढ़ें। दोस्तों से मिलें या अकेले कुछ समय बिताएं। ऐसा करना स्वार्थी बन जाना नहीं है, यह अपने आत्मसम्मान को बनाए रखने के लिए जरूरी है।

खुद की भी करें केयर : अक्सर देखा जाता है कि महिलाएं परिवार के हर सदस्य के स्वास्थ्य और पसंद का ध्यान रखती हैं, लेकिन जब बात खुद की आती है तो वे अपनी जरूरतों को पीछे कर देती हैं। घर में सबके लिए पौष्टिक खाना बनाने वाली महिलाएं कई बार खुद समय बचाने के लिए या फिर अपने मन का खाना बनाने में आलस्य कर जाती हैं, 'अरे अकेले के लिए क्या बनाना,' सोचकर कुछ भी खाकर अपना पेट भर लेती हैं। सभी के आराम का ध्यान रखने वाली महिलाएं थकान होने के बावजूद भी अपनी थकान को नजरअंदाज कर देती हैं। खुद को पीछे रखने की यह आदत धीरे-धीरे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही नहीं रहती, वे बीपी, शुगर और थायराइड जैसी बीमारियों का शिकार हो जाती हैं।

अपनी खुशी भी है जरूरी: चूंकि आप अपने परिवार की धुरी हैं, इसलिए यदि आप खुद स्वस्थ और खुश रहेंगी तो ही अपने परिवार को खुश रख पाएंगी। जिस प्रकार से हवाई जहाज में बैठते समय चोट लगने से बचने के लिए सीट बेल्ट लगाने की सलाह दी जाती है, उसी प्रकार घर में किसी आपातस्थिति को आने से रोकने के लिए आपको अपने स्वास्थ्य और खुशी की सीट बेल्ट अवश्य लगानी चाहिए। इसके लिए, जरूरी है, परिवार के अन्य सदस्यों के साथ-साथ आप अपना भी वर्ष में एक बार हेल्थ चेकअप जरूर करवाएं।

मी टाइम निकालें: विश्व प्रसिद्ध टॉक-शो होस्ट ओपरा विंफ्रे के अनुसार, 'अपने जीवन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह है कि आप खुद को जानें और इसके लिए सबसे जरूरी है कि पूरे दिन घर में खटते रहने के बजाय आप अपने लिए भी कुछ समय निकालें, खुद के साथ कुछ समय बिताएं।' इस समय में आप केवल अपनी पसंद का काम करें फिर वह चाहे योग, व्यायाम, किताब पढ़ने, संगीत सुनने, बागवानी करना, पेंटिंग करना, लिखना या किसी भी ऐसी हॉबी के लिए हो सकता है, जिससे आपको खुशी मिलती हो। वास्तव में हॉबी केवल समय बिताने का साधन नहीं होती, बल्कि अपनी हॉबी को पर्स्यू करने से एक सेटिस्फेक्शन मिलता है, जिससे आप अपने आपको ऊर्जावान महसूस करती हैं और मन आत्मविश्वास से भर उठता है।

स्किल को डेवलप करें: प्रसिद्ध लेखिका सुधा मूर्ति कहती हैं, 'एक महिला जब अपने अंदर के आत्मविश्वास को पहचान लेती है तो वह अपने परिवार और समाज के लिए प्रेरणा बन जाती है।' आज का दौर सोशल मीडिया का है, जिसमें आप अपनी किसी भी स्किल को डेवलप करके उसे प्रोफेशनल टच दे सकती हैं या फिर सोशल मीडिया से भी कमाई कर सकती हैं। यदि आपको कुकिंग का शौक है तो इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म पर इन्हें शेयर करके अच्छी खासी अर्निंग कर सकती हैं। लेखन, कला, सिलाई, संगीत या जिस भी क्षेत्र में आपकी रुचि है, उसे डेवलप करके आप खुद के साथ-साथ समाज और अपने परिवार को भी एक नई पहचान दे सकती हैं।

खुद को दें प्राथमिकता: नागरिकों, विशेषकर महिला अधिकारों के लिए लड़ने वाली एलेनोर रूजवेल्ट ने कहा है, 'आत्मसम्मान हमारी अपनी सोच से बनता है।' खुद का खान-पान हो, हेल्थ हो या फिर कहीं जाने का अवसर हो, महिलाएं खुद को सबसे पीछे रखती हैं। विचारणीय प्रश्न है कि यदि आप ही स्वयं को प्राथमिकता नहीं देंगी तो दूसरे क्यों देंगे? इसलिए अपने प्रति अपनी सोच को उन्नत बनाएं और परिवार के सभी सदस्यों के साथ अपनी थाली में भी पौष्टिक भोजन रखें, अपना भी हेल्थ चेकअप कराएं, परिवार के साथ-साथ अपनी खुशी का ध्यान रखें। कभी-कभी दोस्तों के साथ भी घूमने जाएं। अपनी पसंद की भी डिश बनाएं, अपने मन की मूवी देखें, इस सबसे आपके अंदर डोपामाइन हार्मोन रिलीज होगा, जिससे आप तो खुश रहेंगी ही, साथ ही परिवार के सभी सदस्य भी खुश रहेंगे।

आवाज उठाना सीखें: महिलाओं के हक के लिए लड़ने वाली नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई कहती हैं, 'हर महिला को अपनी पसंद, अपनी इच्छाओं और अपनी पहचान के लिए आवाज उठाने का अधिकार है।' कई परिवार वाले महिलाओं की भावनाओं और उनके काम की कद्र नहीं करते, ऐसे में अक्सर महिलाएं खुद की भावनाओं और इच्छाओं से समझौता करना शुरू कर देती हैं। धीरे-धीरे उनकी सारी इच्छाएं और भावनाएं ही समाप्त हो जाती हैं। इससे बचने के लिए, वे विनम्र और शालीन स्वर में अपनी बातें परिवार के सामने रखें, उन्हें समझाने का प्रयास करें। जरूरी है कि हर महिला खुद से वादा करे, इससे वह केवल दूसरों के सपनों को पूरा करने वाली नहीं, अपने सपनों को जीने वाली भी बनेगी। वह होममेकर जरूर बने, लेकिन इसके साथ ही अपनी जिंदगी की सेल्फमेकर भी बने। अपनी एक पहचान बनाए, सशक्त बने।

अपने काम का श्रेय लेने में संकोच कैसा!

कुछ लोग किसी काम में अपना महत्वपूर्ण योगदान देकर उसे बेहतर अंजाम देते हैं। लेकिन इसका श्रेय लेने में संकोच करते हैं। नतीजा यह होता है, दूसरे उनके काम का श्रेय ले लेते हैं। अपने काम और मेहनत का श्रेय लेने से चूके नहीं। यह आपकी उन्नति के लिए जरूरी है।

एडवाइस
मेघा राठी

अकसर यह देखा जाता है कि कई लोग अपने काम, मेहनत और उपलब्धियों के बारे में बोलने से संकोच करते हैं। उन्हें लगता है कि यदि उनका काम अच्छा होगा तो लोग स्वयं तारीफ करेंगे, लेकिन वास्तविकता उलट है, हर बार ऐसा नहीं होता। आपकी मेहनत का श्रेय कोई और ले जाता है। आप केवल 'विनम्र' बनी रह जाती हैं। इस तरह विनम्र बने रहना सही नहीं है। कुछ स्थितियों में अपने काम का उचित श्रेय लेना जरूरी है, क्योंकि यह केवल अहंकार की बात नहीं, आपके आत्मसम्मान, पहचान और भविष्य के अवसरों से जुड़ी बात है।

चुप रहना क्यों गलत है: बहुत से लोग यह सोचकर अपने योगदान का उल्लेख नहीं करते कि कहीं लोग उन्हें घमंडी न समझ लें, जबकि वे टीम में सबसे अधिक मेहनत करते हैं, दूसरों की मदद करते हैं, जिम्मेदारियां निभाते हैं, लेकिन जब परिणाम सामने आते हैं तब उनका कहीं नाम नहीं होता। धीरे-धीरे ऐसे होते रहना दूसरों के लिए सुविधा बन जाती है। लोग मान लेते हैं कि आप बिना पहचान चाहे भी काम करती रहेंगी। परिणाम यह होता है, आपकी मेहनत को कोई सम्मान नहीं मिलता और किसी दूसरे को अधिक योग्य समझा जाने लगता है।

काम का श्रेय न लेने के दुष्प्रभाव: यदि आप अपने योगदान को स्पष्ट नहीं करती हैं, तो लोग आपके काम का महत्व समझ ही नहीं पाते। कार्यस्थल हो, परिवार हो या सामाजिक जीवन, पहचान उसी की बनती है, जिसका योगदान दिखाई देता है। जब आप स्वयं अपने काम को नहीं बताएंगी, तब कई लोग आपके काम को अपना बताने लगते हैं। यह स्थिति मानसिक रूप से बहुत दुःख देती है, क्योंकि भीतर से आप जानती हैं कि मेहनत आपकी थी। लगातार अनदेखा किया जाना व्यक्ति के भीतर यह भावना पैदा कर देता है कि शायद उसका काम महत्वपूर्ण ही नहीं है। इससे आत्मविश्वास प्रभावित होता है, व्यक्ति अपनी क्षमता पर संदेह करने लगता है। काम की दुनिया में अवसर उसी को मिलते हैं, जिसकी उपलब्धियां सामने आती हैं। यदि आपकी मेहनत लोगों तक पहुंचेगी ही नहीं तो नई जिम्मेदारियां, पदोन्नति या सम्मान कैसे मिलेगा, ये किसी और को मिल सकते हैं। इसलिए इसमें संकोच नहीं करना चाहिए।

अपने काम का श्रेय लेना अहंकार नहीं: कई लोग श्रेय मांगने को अहंकार समझते हैं, जबकि दोनों में अंतर है। अहंकार वह है, जहां व्यक्ति दूसरों को छोटा दिखाकर स्वयं को बड़ा साबित करे। लेकिन अपने काम का उचित उल्लेख करना अपना आत्मसम्मान है। यदि आपने मेहनत की है, जिम्मेदारी निभाई है, किसी कार्य को सफल बनाया है तो यह बताना गलत नहीं कि उसमें आपका योगदान क्या था।

श्रेय लेने का सही तरीका क्या हो: सवाल यह है आप अपने काम का श्रेय कैसे लें? इसके लिए यह जरूरी नहीं है कि हर समय स्वयं की प्रशंसा करें। आप आवश्यकता पड़ने पर अपने योगदान को स्पष्ट और संतुलित तरीके से रखें। इसके लिए शांत और तथ्यात्मक भाषा का प्रयोग करें। दूसरों के योगदान को भी सम्मान दें। अपनी मेहनत को कम करके न दिखाएं। जहां जरूरी हो, वहां स्पष्ट रूप से कहें, 'इस कार्य में मेरा यह योगदान था।' यह ना भूलें कि अपने काम का श्रेय लेने का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जब आप अपनी मेहनत को स्वीकारती हैं, तब भीतर आत्मविश्वास बढ़ता है। आपको महसूस होता है कि आपकी पहचान केवल दूसरों की स्वीकृति पर निर्भर नहीं है। आपको अपनी योग्यता पर यकीन होता है। जब लोगों को आपके योगदान का पता होता है, तब वे आपको नई जिम्मेदारियों और अवसरों के लिए योग्य मानते हैं।

चाइल्ड डेवलपमेंट
दीपिका शर्मा

जब बच्चे का शारीरिक-मानसिक विकास सही ढंग से होता ना दिखे तो इसका कारण समझना जरूरी हो जाता है। भविष्य में बच्चे को कोई बड़ी समस्या न हो, इसलिए एक्सपर्ट से सलाह लेनी चाहिए कि कहीं बच्चा न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर का तो शिकार नहीं है।

न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर जरूरी है समय पर पहचान

यदि किसी बच्चे को कोई मेंटल या फिजिकल प्रॉब्लम है, इसका पता समय रहते चल जाए तो इसे दूर करना आसान हो जाता है। इसकी एक अच्छी मिसाल है आठ वर्षीय आरवा। उसे तीन वर्ष की आयु तक बोलने में कठिनाई थी। स्कूल जाने पर उसे पढ़ने-लिखने में भी परेशानी होने लगी। पैरेंट्स ने विशेषज्ञों से परामर्श लिया। जांच में पता चला कि वह न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर से प्रभावित है। समय पर स्पीच थेरेपी, स्पेशल एजुकेशन और फैमिली सपोर्ट मिलने से उसकी स्थिति में काफी सुधार हुआ। स्पष्ट है कि समय पर बच्चों के विकार की पहचान हो जाए और उचित देखभाल हो तो बच्चा सुधर सकता है।

न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर की प्रमुख श्रेणियों में एडीएचडी (ध्यान-अभाव एवं अतिसक्रियता विकार), ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार, बौद्धिक अक्षमता, विशिष्ट अधिगम विकार (जैसे डिस्लेक्सिया और डिस्कैल्कुलिया) संचार विकार शामिल हैं। ये विकार बच्चे की शैक्षणिक उपलब्धियों, सामाजिक समायोजन, आत्मविश्वास और भविष्य के अवसरों को प्रभावित कर सकते हैं।

बच्चे का डेवलपमेंटल पीरियड है बहुत महत्वपूर्ण: विशेषज्ञों के अनुसार जीवन का शुरुआती डेवलपमेंटल पीरियड बहुत महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इसी दौरान बच्चे के मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र का तीव्र विकास होता है। यदि इस विकास प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न होती है, तो बच्चे के सीखने, व्यवहार और सामाजिक कौशल पर प्रभाव पड़ सकता है।

समय पर पहचान है जरूरी: न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर ऐसे विकार हैं, जो मुख्य रूप से मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के विकास को प्रभावित करते हैं। इनकी शुरुआत प्रायः बचपन में होती है। इनके लक्षण बच्चे के विकास की गतिविधियों में दिखाई देते हैं। प्रत्येक बच्चे के विकास के कुछ माइलस्टोन होते हैं, जैसे मुस्कुराना, बैठना, चलना, बोलना, वस्तुओं को पकड़ना, दूसरों से संवाद करना और नई चीजें सीखना। यदि बच्चा इन माइलस्टोंस को अपेक्षित समय पर प्राप्त नहीं कर पाता, तो यह विकासात्मक देरी के संकेत होते हैं।

ये हैं महत्वपूर्ण लक्षण: न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर से प्रभावित बच्चों में कई प्रकार के लक्षण दिखाई देते हैं। कुछ बच्चों को बोलने और भाषा समझने में कठिनाई होती है, जबकि कुछ बच्चों को पढ़ने-लिखने में समस्या आती है। कई बच्चे ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते, निर्देशों का पालन नहीं करते। कुछ बच्चों को दूसरों के साथ संवाद करने में भी परेशानी होती है।

लक्षणों को न करें नजरअंदाज: ऊपर बताए गए लक्षणों को केवल बच्चे की 'शरारत' या 'धीमे सीखने की क्षमता' समझकर अनदेखा करना उचित नहीं है। अमेरिकन साइकियाट्रिक एसोसिएशन (एपीए) की डीएसएम-5-टीआर के अनुसार

क्या है सही उपचार: इन विकारों का उपचार केवल दवाओं तक सीमित नहीं है। प्रारंभिक पहचान, मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, विशेष शिक्षा, स्पीच और लैंग्वेज थेरेपी, व्यवहार चिकित्सा, परिवार और स्कूल का सहयोग बच्चे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सजग रहें अभिभावक, शिक्षक और समाज: आज आवश्यकता इस बात की है कि अभिभावक, शिक्षक और समाज बच्चों के विकासात्मक संकेतों के प्रति सजग रहें। न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर किसी बच्चे की कमजोरी नहीं है, बल्कि ऐसी परिस्थितियां हैं, जिनमें अतिरिक्त समझ, धैर्य और सहयोग की आवश्यकता होती है। सही समय पर सहायता, संवेदनशील दृष्टिकोण से ऐसे बच्चों को भी आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा को विकसित करने का अवसर दिया जा सकता है।

(क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉक्टर नेहा से बातचीत)

स्किन केयर
शबनम हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

नाइट क्रीम से मिलेगा सॉफ्ट-नेचुरल ग्लो

दिन भर काम की व्यस्तता, तनाव, भाग-दौड़ वाली जीवनशैली और प्रदूषण की वजह से हमारी त्वचा बेजान हो जाती है। रात के समय स्किन खुद को रिपेयर करती है। इस दौरान नाइट क्रीम लगाना बेहद फायदेमंद होता है। इन दिनों बाजार में कई तरह की नाइट क्रीम उपलब्ध हैं, लेकिन अच्छी क्वालिटी की नाइट क्रीम आप घर पर ही आसानी से बना सकती हैं। ये आपकी ब्यूटी पर चार चांद लगाएंगी, सस्ते भी पड़ेंगे और इनका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होगा।

स्किन के लिए फायदेमंद: नाइट क्रीम एक तरह की न्यूट्रीशस क्रीम होती है, जिससे मसाज करने पर त्वचा में नमी बढ़ती है। ये स्किन को ठंडा रखने वाला तत्व भी प्रदान करती है, जिससे स्किन कूल फील करती है। कई तरह की नाइट क्रीम को एंटी-एजिंग क्रीम की तरह भी इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि इनमें ऐसे तत्व भी मौजूद होते हैं, जो बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम कर सकते हैं।

स्किन टाइप का रखें ध्यान: नाइट क्रीम को यूज करने से पहले स्किन टाइप का ध्यान रखना जरूरी है। यह उन महिलाओं के लिए अधिक फायदेमंद होती है, जिनकी स्किन नॉर्मल या ड्राय होती है। अगर आपकी स्किन ऑयली है या आपके चेहरे पर मुंहासे, फुंसी या रैशेज जल्दी हो जाते हैं तो इसका उपयोग नहीं करना चाहिए, क्योंकि ऑयली स्किन को क्रीम से मसाज करने की जरूरत नहीं होती है। अगर आप इसका इस्तेमाल करती हैं तो इससे स्किन के पोर्स बंद हो जाते हैं और ब्लैक हेड्स या कील-मुंहासे होने का रिस्क बढ़ जाता है। अगर आपकी नॉर्मल या ड्राय स्किन है तो आप 25 साल की उम्र के बाद नाइट क्रीम का इस्तेमाल कर सकती हैं।

कैसे करें अप्लाई: रात को सोने से पहले स्किन को साफ करने के बाद नाइट क्रीम का इस्तेमाल करना चाहिए। सबसे पहले चेहरे पर नाइट क्रीम लगाकर अच्छी तरह से मालिश करनी चाहिए। आप अपनी गर्दन पर भी नाइट क्रीम का इस्तेमाल कर सकती हैं।

नॉर्मल-ऑयली स्किन के लिए: नॉर्मल और ऑयली स्किन के लिए नाइट क्रीम ऐसे बना सकती हैं। एलोवेरा जैल में कुछ बूंदें नीबू के रस की मिलाकर बने मिश्रण को सोने से ठीक पहले चेहरे, गर्दन और खुली त्वचा पर लगा कर सो जाएं। सुबह उठते ही ताजे पानी से धो डालें। इससे आपकी स्किन सॉफ्ट हो जाएगी।

ड्राय स्किन के लिए: अगर आपकी स्किन ड्राय है तो नाइट क्रीम ऐसे बना सकती हैं। दो चम्मच एलोवेरा जैल में एक चम्मच ऑलिव ऑयल और दो चम्मच मिल्क पाउडर को मिलाकर एक समान गाढ़ा पेस्ट बना लें। अपने चेहरे और गर्दन को साफ करके इस पेस्ट को स्किन पर लगाकर सो जाएं। सुबह ताजे पानी से इसे धो डालें। आप चाहें तो इस मिश्रण को ज्यादा मात्रा में बनाकर एयर टाइट जार में फ्रिज में रख कर रोजाना रात्रि में उपयोग कर सकती हैं।

डाइट सजेशन
राजकुमार 'दिनकर'

बारिश के मौसम में कई तरह के इंफेक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है। इनसे बचने के लिए बॉडी इम्यूनिटी का स्ट्रॉन्ग होना जरूरी है। इसके लिए आपको अपनी डाइट का ध्यान रखना होगा। इस सीजन में कैसी हो आपकी डाइट, जानिए।

रेग्युलर लें न्यूट्रिशस डाइट स्ट्रॉन्ग रहेगी इम्यूनिटी

बरसात के मौसम में वातावरण में नमी बढ़ जाती है। तापमान में उतार-चढ़ाव रहता है। ऐसे में वातावरण में कई तरह के बैक्टीरिया, वायरस, फंगस तेजी से पनपते हैं। यही कारण है कि इस दौरान सर्दी, जुकाम, वायरल फीवर, गले में खराश, पेट में संक्रमण, फूड प्वॉइजनिंग और त्वचा संबंधी समस्याएं अधिक देखने को मिलती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि मानसून के दौरान खान-पान पर विशेष ध्यान दिया जाए तो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाया जा सकता है। इसके लिए खाद्य पदार्थों का चयन करते समय आपको जानना चाहिए कि कौन से ऐसे सुपरफूड्स हैं, जो इस मौसम में विटामिन, खनिज, एंटी ऑक्सीडेंट्स और अन्य जरूरी पोषक तत्व भरपूर मात्रा में देते हैं, जो इम्यूनिटी बढ़ाने में सहायक होते हैं।

अदरक: अदरक यूं तो कई लोग स्वाद के लिए हर मौसम में खाते हैं, लेकिन बारिश के दिनों में इसका इस्तेमाल जरूर करें। इसमें मौजूद एंटीइंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंटिव गुण शरीर को संक्रमणों से लड़ने में मदद करता है। साथ ही यह हमारे पाचन को भी बेहतर बनाती है, जिससे पेट की समस्याओं से छुटकारा मिलता है। सर्दियों की तरह बारिश में भी अदरक वाली चाय गले को आराम पहुंचाती है और सर्दी-जुकाम से हमें छुटकारा दिलाती है।

हल्दी: हल्दी भी एक ऐसा सुपर फूड है, जिसका इस्तेमाल बारिश के दिनों में जरूर करना चाहिए। हालांकि हल्दी भारतीय रसोई का अभिन्न हिस्सा है। इसलिए अगर विशेष रूप से इस पर फोकस न भी किया जाए, तो भी हल्दी हम अकसर खाते ही रहते हैं। लेकिन बारिश के दिनों में इसे पूरी सजगता से अपने भोजन का हिस्सा बनाना चाहिए, क्योंकि इसमें पाया जाने वाला करक्यूमिन शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट तत्व, यह सूजनरोधी गुणों के लिए जाना जाता है। मानसून में हल्दी वाला दूध पीना काफी फायदेमंद होता है। इससे शरीर की नियमित प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत बनी रहती है। कई शोधों से पता चला है कि हल्दी में रोग प्रतिरोध क्षमता होती है, लेकिन इसका इस्तेमाल संतुलित मात्रा में ही करना चाहिए।

दही-छाछ: बरसात के मौसम में पाचनतंत्र को स्वस्थ रखने में दही और छाछ भी बहुत सहायक है, लेकिन कई लोग बारिश के दिनों में दही खाने से बचते हैं। जबकि इसके खाने से आंतों में अच्छे बैक्टीरिया बढ़ते हैं। पाचन भी बेहतर होता है और शरीर की प्रतिरक्षा क्षमता को भी मजबूती मिलती है।

मौसमी फल-सूखे मेवे: मानसून में उपलब्ध कई फल विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं जैसे जामुन, नाशपाती, आलू बुखारा, सेब और अनार। ये खाने से शरीर को पोषण मिलने के साथ-साथ प्रतिरोधी तंत्र को भी मजबूती मिलती है। कोई भी फल हमेशा धोकर खाने चाहिए।

क्या खाएं-क्या न खाएं

- दिन में एक-दो बार तुलसीयुक्त हर्बल चाय पिएं।
- घर का बना ताजा और गर्म भोजन करें। बासी भोजन खाने से बचें।
- अत्यधिक तले, भुने खाद्य पदार्थ व खारे, बाजारू चीजें खाने से बचें।
- बादाम, अखरोट, काजू और अन्य ड्राय फ्रूट्स खाएं।
- पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पानी पिएं।

30 प्र0 राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों के गुणवत्ता की होगी जांचः जिलाधिकारी

जिलाधिकारी ने किया जनपद में 23 टीमों का गठन, परखेंगी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता

-विश्वकर्मा पोर्टल पर अपलोड कर मार्गों की होगी मैपिंग, दोहरीकरण एवं दोहरी स्वीकृति से होगा बचावः- जिलाधिकारी

-यूपीपीसीएल द्वारा मेडिकल कालेज में टाइप-4 के 29 नग आवासों के जीर्णोद्धार के कार्यों में तेजी लाए जाने के निर्देश

-अनुबन्ध के अनुसार कार्य पूर्ण होने की तिथि तक कार्यदायी संस्थाओं को तेजी के साथ कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी ने कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में ?50 लाख एवं उससे अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं का सत्यापन एवं प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि संबंधित विभागों के समस्त कार्यालय अध्यक्ष मीटिंग में उपस्थित रहना सुनिश्चित करें, अनुपस्थित होने पर होगी कार्यवाही।

बैठक का शुभारंभ करते हुए जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी ने समस्त निर्माण विभागों के स्वामित्व के मार्गो को विश्वकर्मा पोर्टल पर अपलोड कर मार्गो की मैपिंग कराये जाने हेतु स्ओपी जारी की। जिसमें विश्वकर्मा पोर्टल पर मागों को अपलोड किये जाने हेतु दिशा निर्देश निर्गत किये गये हैं। विश्वकर्मा पोर्टल पर मार्गो का डाटा फीड हो जाने से विभागों के कार्यों में पारदर्शिता एवं धन के उचित आवंटन द्वारा मार्गो का कुशलता पूर्वक प्रबंधन, नियोजन और रखरखाव सुनिश्चित किया जा सकेगा। इसके साथ ही किसी भी प्रकार के दोहरीकरण एवं दोहरी स्वीकृति से बचा जा सकेगा। इस हेतु समस्त निर्माण विभागों के आई0डी0 एवं पासवर्ड जनरेट किये जा चुके हैं। समस्त अधिकारी अपने विभाग के स्वामित्व के मार्गो की डाटा फीडिंग एवं मैंपिक 01 माह के अन्दर करते हुये कृत कार्यवाही की आख्या उपलब्ध करना सुनिश्चित करें।जिलाधिकारी श्री गौरांग रांठी ने जनपद में विभिन्न संस्थाओं द्वारा निर्माणाधीन परियोजनाएं जिनकी लागत 50 लाख एवं उससे अधिक है,उनकी समीक्षा करते हुए 23 टीमों का गठन किया जो निर्माण कार्यों की साइड विजिट करते हुए गुणवत्ता की जांच करेंगी और प्रगति व सत्यापन रिपोर्ट निश्चित फॉर्मेट पर डीएसटीओ कार्यालय को उपलब्ध कराएगें ताकि समीक्षा में और पारदर्शिता लाई जा सके। उन्होंने कहा कि अनुबंध के अनुसार कार्य पूर्ण होने की तिथि तक समस्त कार्यदायी संस्थाएँ तेजी के साथ निर्माणाधीन कार्य पूर्ण करें ताकि उसका लाभ आम जनमानस को मिल सके। जिलाधिकारी श्री गौरंग राठी ने जनपद में निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा मुख्य रूप से येलो(धीमी प्रगति), ग्रीन(संतोषजनक/पूर्ण) और रेड (गंभीर लापरवाही/रुके हुए कार्य) कैटेगरी के आधार पर करते हुए प्रारंभ की, बैठक में जिलाधिकारी का पूरा फोकस रेड कैटेगरी पर था। बैठक में उ0 प्र0 राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा जनपद में किए जा रहे झांसी नगर में सखी के हनुमान मंदिर सहित मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के अंतर्गत जनपद झांसी के मऊरानीपुर स्थित सुखनई नदी के किनारे पर्यटन विकास कार्य एवं जनपद झांसी में मेजर ध्यानचंद पहाड़ी पर पर्यटन विकास के कार्यों पर असंतोष व्यक्त करते हुए गुणवत्ता की जांच कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने पर्याप्त धनराशि उपलब्ध होने के बाद भी निर्माण कार्यों की बेहद धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की और गति के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक की शुरुआत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 50 लाख से अधिक लागत की सड़क परियोजना में प्रांतीय खंड द्वारा निर्माणाधीन झांसी से गंगावली संपर्क मार्ग जिसकी लंबाई 11.250 किलोमीटर है उसके चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य एवं इम्लोटा से नहर रोड तक मार्ग निर्माण के कार्य की समीक्षा की नोडल अधिकारी पीडब्ल्यूडी अधिशासी अभियंता श्री रजनीश गुप्ता ने बताया कि इस माह उक्त सड़क का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। जिलाधिकारी ने जनपद में मोंठ-भाण्डेर मार्ग से भरोसा-छपार-पुलगहना- शाहजहांपुर-खजूरी मध्य प्रदेश की सीमा तक मार्ग दो लेन में चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराए जाने की जानकारी ली लेते हुए कार्य को गति के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में 50 लाख से अधिक लागत की परियोजनाएं (सड़कों को छोड़कर) की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी ने यू0पी0 प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा कार्य की प्रगति संतोषजनक न होने पर नाराजगी व्यक्त की, उन्होंने राजकीय मेडिकल कालेज जनपद झांसी में 29 नग टाईप-04 आवासों में जीर्णोद्धार कार्य की जानकारी लेते हुए।अब तक 50% प्रतिशत प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया। जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि किए जा रहे जीर्णोद्धार कार्य को गुणवत्ता के साथ जल्द से जल्द पूर्ण करते हुए हैंडओवर किए जाने के निर्देश दिए। निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद झांसी में वीरांगना झलकारी बाई राजकीय महिला पॉलिटेक्निक जिसकी लागत लगभग 14 करोड़ से अधिक है की समीक्षा करते हुए हो रहे कार्य की जानकारी ली।ए0 ई0 निर्माण खण्ड भवन ने बताया कि प्राविधिक शिक्षा विभाग से संबंधित निर्माण कार्य में ग्राउंड फ्लोर की स्लैब का कार्य एवं 1ह्यह्ल फ्लोर की स्लैब का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। ग्राउंड फ्लोर एवं 1ह्यह्ल फ्लोर की चिनाई,प्लास्टर का कार्य एवं आंतरिक दीवारों की पुट्टी का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है शेष कार्य 02 माह में पूर्ण कर लिया जाएगा। जिलाधिकारी श्री गौरांग राठी ने निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लिमिटेड द्वारा बनाए जा रहे शिक्षा विभाग के डायट में चारदीवारी, लैब एवं स्टाफ रूम की मरम्मत का कार्य तथा डायट में गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण की जानकारी लेते हुए गर्ल्स हॉस्टल के निर्माण में उपलब्ध धनराशि के सापेक्ष मात्र 05% प्रतिशत भौतिक प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की और कार्य में तेजी लाए जाने के निर्देश दिए । बैठक में उपस्थित अवर अभियंता श्री नंदकिशोर सिंह ने कार्य की जानकारी दी। बैठक में इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी श्री रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड, डीडीओ श्री राजेश कुमार, अधिशासी अभियंता आरईएस श्री रजनीश कुमार, डीएसटीओ डॉ0 अर्चना सिंह, अधिशासी अभियंता सीडी 3 श्री एके सिंह, सहित पर्यटन विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी मौजूद रहे।

डॉ. आर.के. सोनी बने अपर निदेशक स्वास्थ्य

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। डॉ. आर.के. सोनी ने आज अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, झांसी मण्डल, झांसी के पद का कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर निवर्तमान अपर निदेशक डॉ. आर.के. सक्सेना ने उन्हें विधिवत कार्यभार सौंपते हुए शुभकामनाएं दीं तथा उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

उल्लेखनीय है कि डॉ. सोनी इससे पूर्व भी लगभग दो वर्ष पहले झांसी मण्डल में अपर निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके पूर्व कार्यकाल में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन, बेहतर प्रशासनिक समन्वय तथा जनहितकारी पहलों के कारण उनका

कार्यकाल अत्यंत प्रभावशाली एवं परिणामोन्मुखी रहा था। एक बार पुनः झांसी मण्डल का दायित्व संभालने पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने डॉ. सोनी का गर्मजोशी से स्वागत किया तथा उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। सभी अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभवी नेतृत्व एवं प्रशासनिक दक्षता से झांसी मण्डल में स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को नई गति मिलेगी। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत डॉ. सोनी ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने टीम भावना के साथ कार्य करते हुए मण्डल के सभी जनपदों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाने का विश्वास दिलाया।

बाबा का अटा जमीन प्रकरण= सीओ पहुंचे मौके पर की जांच पड़ताल शुरू, दुर्गा प्रसाद गिरी आए मीडिया के सामने महंत पर लगाए गंभीर आरोप

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। बाबा का अटा की वेशकीमती जमीन की खरीद फरोख्त के चल रहे प्रकरण में जांच करने मौके पर पहुंचे सीओ सिटी ने जांच पड़ताल की। वही इस मामले में अभी तक दो पक्ष सामने आ रहे थे। लेकिन मीडिया की सुर्खियों बनने के बाद अब तीसरा पक्ष दुर्गा प्रसाद गिरी भी मीडिया के सामने आ गए। उन्होंने दावा किया कि जिस जमीन की महंत ने खरीद फरोख्त कर के बेच दी उस जमीन पर पूर्व से ही स्टे ऑर्डर है। इसके बावजूद उन्हें लगातार धमकियां भी मिल रही है।

आपको बता दे कि पिछले दिनों एक महंत ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया था कि बाबा के अटा पर स्थित जमीन की खरीद फरोख्त के नाम पर उनके साथ कई लोगों ने ठगी कर ली ओर वह लोग जितनी जमीन है उससे ज्यादा की रजिस्ट्री करने का दबाव बना रहे है। एसएसपी ने इस पूरे प्रकरण की जांच सीओ सिटी को सौंप दी थी। वही इसी मामले में दूसरे पक्ष दिलीप पांडे, नत्थू कुशवाहा, एडवोकेट रिजवान जैद मंसूरी ने डिप्टी सीएम सहित पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों को शिकायती पत्र देते हुए बताया था कि एक महंत ने उन्हें बाबा के अटा पर स्थित जमीन की बिक्री करने के नाम पर आधा दर्जन लोगों से 78 लाख रुपए ले लिए ओर अब रजिस्ट्री नहीं कर रहे है। इस मामले में भी जांच चल रही है। अभी यह दोनों पक्ष आमने सामने थे। इसी बीच इसी जमीन से जुड़ा तीसरा पक्ष बाबा का अटा के पास निवासी दुर्गा प्रसाद गिरी आज मीडिया के सामने खुल कर आ गए उन्होंने आरोप लगाते हुए बताया कि उनकी बाबा का अटा के पास झांसी में गाटा संख्या 214 शामिल खाते की जमीन है। उनके अन्य साथियों से महंत ने बिना उनकी मर्जी, बिना किसी समझौते ओर बिना किसी कानूनी आदेश बंटवारे के रजिस्ट्री करा ली। इस जमीन में उनका भी हिस्सा पड़ा हुआ है। उनका आरोप है कि महंत जमीन पर प्लॉट बनाकर बेच रहे ओर उन्होंने चार रजिस्ट्रियां कर दी। इसलिए उन्होंने उप जिलाधिकारी की न्यायालय में बाद दायर किया था। जिस पर न्यायालय में विपक्षी महंत ने जबाव लगाया कि इनके पास स्टे ऑर्डर लेने का कोई ठोस आधार नहीं। दुर्गा प्रसाद गिरी ने बताया उन्होंने न्यायालय के समक्ष वह रजिस्ट्रियां पेश की जिस पर महंत ने चार पांच लोगों को प्लॉट बेच दिए। इसके बाद न्यायालय ने मामला गंभीर मानते हुए उक्त जमीन की खरीद फरोख्त, ओर निर्माण कार्य पर रोक लगाते हुए स्टे ऑर्डर दे दिया। वही मंगलवार की देर शाम सीओ सिटी रामवीर सिंह उक्त जमीन पर पहुंचे उन्होंने मौका मुआयना किया। इस दौरान सीओ सिटी ने कहा कि अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। उन्हें जांच मिली है अभी जांच शुरू करते हुए उक्त जमीन का निरीक्षण ओर यथा स्थिति का निरीक्षण किया है। अब दोनों पक्ष को बुलाकर मामले की दस्तावेज देखे जाएंगे उसके बाद जांच में नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

कोंच सहित पूरे जनपद में जोरों से चल रहा है बैंक खाते बेचने का धंधा

साइबर ठगी के मामले में पुलिस प्रतिदिन एक एक कडी जोड़ने में लगी

-पैसो की लालच में आकर खाता बेचने बालो से पुलिस कर रही पूछंताछ

(यंग भारत न्यूज)

कोंच पिछले कई दिनो से कोतवाली में चर्चित साइबर ठगी के मामले में पुलिस एक एक कडी को जोडने में लगी है। एसबीआई मुख्य शाखा कोंच एवं एसबीआई की ही नदीगांव रोड कोंच स्थित मंडी शाखा में संचालित कुछ बैंक खातों से साइबर अपराध के माध्यम से रुपयों की धोखाधड़ी और पैसो के लेन-देन होने की प्राप्त साइबर अपराध शिकायतों के मामले में तीन नई एफआईआर पंजीकृत कर ली गई हैं। इससे पहले पुलिस ने चार एफआईआर दर्ज की थी जिनमें संबंधित खाताधारकों सहित मामले में संलिप्त अन्य कुछ लोग शामिल हैं। कोतवाली के उपनिरीक्षक सागर चौकी प्रभारी सुमित पांडेय द्वारा एसबीआई कोंच की मुख्य शाखा में संचालित खाते के खाता धारक सुभित पुत्र राजेंद्र कुमार निवासी गांधीनगर कोंच के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।वही उपनिरीक्षक शुभम परमार ने खाताधारक मनीष द्विवेदी पुत्र रमाकांत निवासी नया पटेल नगर कोंच के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।जिला झांसी के थाना पूँछ के ग्राम मड़ोरा कलां निवासी दीपेश राजपूत पुत्र महेंद्र ने गांव के ही मदन पुत्र हरी रायकवार के खिलाफ कोतवाली कोंच में मुकदमा दर्ज कराया है। दीपेश ने एफआईआर में बताया कि मदन ने मटर के रुपए मंगाने का बहाना बनाकर उसे गुमराह किया और उसके नाम से एसबीआई मुख्य शाखा कोंच में खाता खुलवा लिया, उसका एटीएम कार्ड व पासबुक भी उसने अपने पास ही रख ली थी। इससे पहले गत रोज एसबीआई मुख्य शाखा में संचालित खाते के खाताधारक शिवकुमार निवासी गोखले नगर कोंच सहित उनके साथी अनमोल प्रजापति निवासी गोखले नगर और प्रिंस राजपूत निवासी ग्राम सुनाया, नदीगांव रोड कोंच स्थित एसबीआई मंडी शाखा में संचालित खाते के खाताधारक हरिओम निवासी जवाहर नगर कोंच, एसबीआई मुख्य शाखा में संचालित खाते के खाताधारक विशाल निवासी जवाहर नगर एवं मुख्य शाखा में ही संचालित खाते के खाताधारक देवेश कुमार निवासी नया पटेल नगर कोंच सहित उनके साथी अनिकेत राजपूत और प्रिंस राजपूत निवासीगण दोनों ग्राम सुनाया के खिलाफ संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है।इस संबंध में जब एसबीआई के शाखा प्रबंधक अजय सिंह से जानकारी हासिल की तो उन्होने बताया कि खाता होल्ड करना साइबर का काम है बैंक इस संबंध में कुछ नही कर सकती है।उन्होने कहा पुलिस मामले की जांच कर रही है हमसे जो की जानकारी ली जाएगी वो पुलिस को दी जाएगी।उन्होने खाताधारको से कहा कि बैंक से लेनदेन करते समय पूरी सावधानी वर्ते उन्होने कहा पासबुक, एटीएम,चैकबुक आदि महत्वपूर्ण दस्तावेज किसी को न दे नही तो आप भी ठगी का शिकार हो सकते है।

अपराधो पर नियंत्रण तथा शांति व्यवस्था कायम रखने में पुलिस सतर्क

मुकदमों कि निष्पक्ष विवेचना कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करें सीओ राजेश

कालपी-उरई। क्षेत्राधिकारी राजेश कमल ने सर्किल के सभी थानेदारों को निर्देश दिया हैं कि थानों में दर्ज मुकदमों की लंम्बित विवेचनाओं का निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करते हुए दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण और पीड़ितों को समयबद्ध न्याय दिलाना पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता है। पुलिस टीम अपराधियों के विरुद्ध सक्रिय अभियान चलाकर कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

सीओ राजेश कमल ने विशेष रूप से ऑनलाइन गेमिंग ऐप से जुड़े दर्ज मुकदमों की विवेचनाओं को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि आटा, कालपी और कदौरा थाना क्षेत्रों में ऑनलाइन गेमिंग ऐप से संबंधित मुकदमे दर्ज हैं, जिनकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्राधिकारी राजेश कमल ने हाल के दिनों में पुलिस द्वारा की गई सफल कार्रवाइयों का उल्लेख करते हुए बताया कि मोहर्रम पर्व के दिन 26 जून को कालपी बाजार में शिक्षक अर्जुन मौर्य की पत्नी के गले से बाइक सवार बदमाशों द्वारा छीनी गई चेन की घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीमें लगातार प्रयासरत हैं। वहीं 25 जून को थाना आटा पुलिस ने चोरी के लगभग 21 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषण बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसके अलावा 24 जून को कालपी कोतवाली पुलिस ने जोल्हूपुर मोड़ के जंगल में झांसा देकर युवकों से अवैध वसूली करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजने में सफलता हासिल की थी। सीओ राजेश कमल ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और आमजन की शिकायतों का त्वरित एवं निष्पक्ष समाधान कर कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा।

पिता ही निकला हैवान! घर से भागी 13 साल की बच्ची ने रोते-रोते बताए घिनौने कांड

(यंग भारत न्यूज)

पिता के साए में बेटियां खुद को महफूज़ समझती हैं, उसी की गंदी नीयत से तंग आकर एक 13 साल की मासूम को अपना ही घर छोड़ना पड़ गया। मामला उत्तराखंड के सीमावर्ती जिले पिथौरागढ़ का है।यहां मासूम बच्ची अपने पिता की गंदी हरकतों से तंग आकर जून महीने में भाग गई थी। पुलिस किसी तरह बच्ची को ढूंढ लाई तो उसने चाइल्ड हेल्पलाइन में अपने पिता के घिनौने कांड बयां किए। जानकारी के अनुसार, बीते जून माह में लापता हुई किशोरी का जब चाइल्ड हेल्पलाइन ने रेस्क्यू कर काउंसिलिंग की, तो पिता की घिनौनी करतूत का सनसनीखेज खुलासा हुआ। पुलिस ने पिता को पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार नगर क्षेत्र में रहने वाली किशोरी अचानक अपने घर से लापता हो गई थी। मामले की भनक लगते ही चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम सक्रिय हुई और कड़ी मशक्कत के बाद मासूम को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। जब चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने बच्ची को सुरक्षित स्थान पर रखकर उसकी काउंसिलिंग शुरू की, तो वह फूट-फूट कर रो पड़ी। टीम के सदस्यों ने जब घर से भागने की वजह पूछी, तो मासूम ने बताया कि उसका सगा पिता ही उसके साथ घर में गलत नीयत से छेड़खानी और बदसुलूकी करता था। एसआई प्रियंका मौनी ने बताया कि पिता पर मुकदमा दर्ज किया है। एक अन्य घटना में हरिद्वार के बहादराबाद थाना क्षेत्र के डीपीएस दौलतपुर के पास गंगनहर में एक वर्षीय बेटी के साथ लापता हुई विवाहिता के मामले में सोमवार को नया मोड़ आ गया। महिला के भाई की तहरीर पर बहादराबाद पुलिस ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, देर शाम तक गंगनहर में लापता मां-बेटी का कोई सुराग नहीं लग सका। पुलिस और जल पुलिस की टीमों ने दिनभर नहर में तलाश अभियान चलाया। पुलिस के अनुसार, रायपुर दरेड़ा (थाना पथरी) निवासी भूपेंद्र कुमार ने तहरीर में बताया कि उसकी बहन सरिता की शादी 27 जून 2020 को कोटा मुरादनगर निवासी अर्जुन से हुई थी। आरोप है कि पति अर्जुन, ससुर बालेश्वर, सास कलावती और ननद शीतल और बुलबुल दहेज की मांग को लेकर सरिता का लगातार उत्पीड़न और मारपीट करते थे। आरोप लगाया कि 11 जुलाई की रात करीब नौ बजे सरिता ने फोन कर बताया था कि पति और ससुराल पक्ष के लोग उसके साथ मारपीट कर रहे हैं और उसे और उसकी बेटी नैन्सी को जान से मारने का प्रयास कर रहे हैं। इसके बाद परिजनों ने उन्हें समझाया और अगले दिन घर आकर बात करने की बात कही।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718